मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 10 अंक 14
रविवार, 19 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

'ऑपरेशन सिंदूर' से दुनिया ने देखा भारत का दम, अब डिफेंस सिस्टम में रचेंगे नया इतिहासः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 18 जुलाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत की विश्व-स्तरीय रक्षा तैयारियों को साबित किया है। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय केंद्र सरकार द्वारा सेना के आधुनिकीकरण और देश में ही रक्षा उपकरणों के उत्पादन को लगातार बढ़ावा देने को दिया। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता और वीरता का प्रमाण बताया और कहा कि उन्होंने आतंकवादियों और उनके समर्थकों को मुंहतोड़ जवाब दिया। सिंह ने कहा ऑपरेशन सिंदूर भारत की आधुनिक और बेहतरीन रक्षा तैयारियों का सबूत है। ये तैयारियाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की पिछले 12 सालों की लगातार कोशिशों से और बेहतर हुई हैं, जिसमें 'राष्ट्र पहले और सेना पहले' की भावना को प्राथमिकता दी गई है।

सिंह के अनुसार, इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर एयर डिफेंस सिस्टम, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे स्वदेशी सिस्टम के साथ-साथ अन्य आधुनिक सैन्य उपकरणों को भी प्रभावी ढंग से तैनात किया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसे एडवांस्ड सिस्टम के साथ-साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का भी प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया। यह पिछले 12 वर्षों में तैयार की गई नींव की वजह से संभव हुआ है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने

के लिए सरकार की कोशिशों का ज़िक्र करते हुए सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों की ओर से जारी स्वदेशीकरण की पाँच सकारात्मक सूचियों में अब 509 रक्षा आइटम शामिल हैं, जबकि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की ओर से जारी पाँच अतिरिक्त सूचियों में 5,012 आइटम शामिल हैं। मंत्री ने कहा जैसे-जैसे हम एक आत्मनिर्भर और सशक्त रक्षा क्षेत्र बनाने की दिशा में दृढ़ संकल्प और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, इस विजन को और गति देने के लिए जल्द ही एक और 'पॉज़िटिव इंडिजनाइजेशन लिस्ट' (स्वदेशीकरण की सकारात्मक सूची) जारी की जाएगी। भारतीयनौसेना जानकारी उन्होंने यह भी बताया कि 2014 की तुलना में 2025-26 में भारत का सालाना रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है।

सिंह ने कहा हमारा सालाना डिफेंस प्रोडक्शन 2014 में लगभग 40,000 करोड़ रुपये से बढ़कर फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हमारा लक्ष्य इस साल डिफेंस प्रोडक्शन को 2 लाख करोड़ रुपये और 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े से आगे ले जाना है। हमारा मकसद यह पक्का करना है कि 2029 तक डिफेंस एक्सपोर्ट 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाए। तरक्की की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए, मुझे भरोसा है कि हम इन लक्ष्यों को हासिल करने में कामयाब होंगे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोनम वांगचुक के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की

नई दिल्ली, 18 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 18 जुलाई को जंतर-मंतर पर क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और सरकार पर असहमति जताने वालों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि सरकार ने किसी को नहीं बख्शा है - चाहे वे किसान हों, छात्र हों, दलित हों, आदिवासी हों या जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाने वाले प्रदर्शनकारी हों। उन्होंने कहा कि चाहे प्रो. जीडी अग्रवाल हों जिन्होंने माँ गंगा को बचाने के लिए 111 दिनों तक आमरण अनशन किया, या हरियाणा के ओलंपिक पहलवान हों, चाहे हमारे 750 किसान हों, दलित और आदिवासी हों, या पेपर लीक की भेंट चढ़े 25 बच्चे और उनके परिवार हों - इस जालिम सरकार ने किसी को नहीं

बख्शा है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी नजर में, जो कोई भी आवाज उठाता है, वह 'देश-विरोधी' या 'परजीवी' है! खड़गे ने जंतर-मंतर पर हुई घटनाओं को लोकतंत्र और संविधान पर एक और काला धब्बा बताया। खड़गे ने स्टूडेंट्स इको आंदोलन के बारे में भी बात की और कहा कि स्टूडेंट्स इको' की गूंज कोटा और देहरादून से शुरू हो चुकी है... यह निश्चित रूप से दिल्ली तक पहुँचेगी। यह बयान तब आया जब दिल्ली पुलिस ने शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन वाली जगह से सफदरजंग अस्पताल पहुँचाया। लंबी भूख हड़ताल के कारण उनकी सेहत को लेकर चिंताएँ थीं।

सफदरजंग अस्पताल की मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. चारू बांबा ने बताया कि वांगचुक की हालत स्थिर है, लेकिन उपवास के कारण उन्हें हल्की डिहाइड्रेशन और कमजोरी महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक सुबह करीब 7:40 बजे हमारे अस्पताल पहुँचे। लंबे समय तक उपवास के कारण वे थोड़े कमजोर हैं और उन्हें हल्की डिहाइड्रेशन है; इसके अलावा, उनके सभी जरूरी स्वास्थ्य पैरामीटर स्थिर हैं। उनकी लगातार जाँच और निगरानी की जा रही है, और उनका इलाज चल रहा है।

दिल्ली पुलिस ने पुष्टि की कि वांगचुक को दिल्ली हाई कोर्ट के निदेशों और मेडिकल सलाह के आधार पर उनकी बिगड़ती सेहत को देखते हुए शिफ्ट किया गया था।

बाबा बफानीं के भक्तों के लिए बड़ी खबर, खराब मौसम के चलते 19 जुलाई से अमरनाथ यात्रा रहेगी स्थगित

कश्मीर, 18 जुलाई। भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी खराब मौसम के पूवार्नुमान को देखते हुए, प्रशासन ने श्री अमरनाथजी यात्रा को 19 जुलाई 2026 से अस्थायी रूप से स्थगित करने का बड़ा निर्णय लिया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए यह कदम एक एहतियाती उपाय के तौर पर उठाया गया है।

कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पहलगाम और बालटाल दोनों ही मार्गों से यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। उनके अनुसार, 19 जुलाई 2026 से बालटाल और नुनवान/चंदनवाड़ी बेस कैंप से किसी भी श्रद्धालु को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन का कहना है कि यात्रा को दोबारा शुरू करने का फैसला मौसम की स्थिति की व्यापक समीक्षा और रास्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद ही लिया जाएगा। इस संबंध में आगामी अपडेट उचित समय पर जारी किए जाएंगे।

आंकड़ों की बात करें तो, इस चल रही श्री अमरनाथजी यात्रा के दौरान अब तक 3.7 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में दर्शन कर चुके हैं। फिलहाल खराब मौसम की चेतावनी के बीच प्रशासन का पूरा ध्यान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

रूस पर यूक्रेन का सबसे बड़ा ड्रोन हमलाः कई शहरों में मची तबाही, 8 लोगों की मौत व 60 से ज्यादा घायल

रूस, 18 जुलाई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच शनिवार तड़के यूक्रेन ने रूस के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए। इन हमलों में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से अधिक लोग घायल हो गए। हमलों में रूस के प्रमुख लॉजिस्टिक गोदाम, तेल डिपो और अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया गया। कई स्थानों पर भीषण आग लग गई, जबकि रूस ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने सैकड़ों ड्रोन मार गिराए। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेन ने रात के समय रूस के विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन हमले किए। सबसे बड़ा हमला रूस की प्रमुख ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के दो बड़े गोदामों पर हुआ। इनमें से एक गोदाम तांबोव क्षेत्र के कोतोव्स्क में और दूसरा मॉस्को के पास इलेक्ट्रोस्टाल में स्थित है। हमले के बाद दोनों गोदामों में भीषण आग लग गई। बाद में कंपनी की संस्थापक तात्याना किम ने बताया कि कोतोव्स्क स्थित गोदाम में लगी आग पर काबू पा लिया गया है, जबकि इलेक्ट्रोस्टाल के गोदाम से धुएं के विशाल गुबार उठते रहे।

मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने नोगिंस्क शहर के एक तेल डिपो पर भी हमला किया, जिससे वहां आग लग गई। सुरक्षा के मद्देनजर पास के एक प्रसूति अस्पताल और आवासीय इमारत को खाली कराया गया। ड्रोन का मलबा एक किंडरगार्टन (प्री-स्कूल) पर भी

गिरा, जिससे वहां भी आग लग गई। हालांकि बाद में आग पर काबू पा लिया गया। तांबोव क्षेत्र के गवर्नर येवगेनी पेरविशोव के अनुसार, कोतोव्स्क स्थित गोदाम में रात्रि पाली में काम कर रहे 7 कर्मचारियों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। वहीं मॉस्को क्षेत्र में कुल 37 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा व्लादिमीर शहर में एक यूक्रेनी ड्रोन आवासीय इमारत से टकरा गया, जिससे आग लग गई। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि लंबी दूरी की कार्रवाई के तहत मॉस्को और तांबोव क्षेत्रों में स्थित दो महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक केंद्रों पर हमला किया गया। उनके अनुसार इन प्रतिष्ठानों का इस्तेमाल रूस ड्रोन और नौवहन उपकरणों के निर्माण में उपयोग होने वाले प्रतिबंधित कलपुर्जों की आपूर्ति के लिए कर रहा था।

जेलेंस्की ने यह भी दावा किया कि यूक्रेन के विशेष अभियान बलों ने आजोव सागर और रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों में स्थित सैन्य ठिकानों पर भी हमले किए।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रातभर में 19 क्षेत्रों, क्रीमिया, आजोव सागर और काला सागर के ऊपर उड़ रहे 379 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया। रूस का कहना है कि हमलों का मुख्य उद्देश्य उसकी ऊर्जा और सैन्य अवसंरचना को नुकसान पहुंचाना था।

पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी का अचानक हुआ निधन, परिवार में शोक की लहर

नई दिल्ली, 18 जुलाई। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा देवेगौड़ा का शनिवार को एक निजी अस्पताल में हृदयाघात के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष से अधिक उम्र की थीं। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, उन्हें बुधवार रात शहर के ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका श्वास संबंधी बीमारी का इलाज किया जा रहा था।

अस्पताल ने एक बयान में कहा, हमें यह बताते हुए दुख हो रहा है कि आज शाम चार बजे, ठीक होने की संभावना के बावजूद श्रीमती चेन्नम्मा को गंभीर हृदयाघात हुआ। देवेगौड़ा, उनके बेटे और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी तथा परिवार के अन्य सदस्य अस्पताल में मौजूद थे। चेन्नम्मा फरवरी 2001 में हुए तेजाब हमले से बच गई थीं। बताया गया था कि यह हमला पारिवारिक विवाद से जुड़ा था।

उनका विवाह 1954 में देवेगौड़ा से हुआ था। दंपति के चार बेटे और दो बेटियां हैं, जिनमें केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी और विधायक एच. डी. रेवन्ना शामिल हैं। रेवन्ना हासन जिले की होलानरसिपुर विधानसभा सीट से विधायक हैं। प्रमुख सियासी परिवार से होने के बावजूद चेन्नम्मा ज्यादातर सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहीं।

असत्य, हिंसा मोदी सरकार के मूल सिद्धांत, सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने पर भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली, 18 जुलाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली के जंतर-मंतर से हटाए जाने की आलोचना की, जहां वे भूख हड़ताल पर थे। उन्होंने केंद्र सरकार पर देश भर के छात्रों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने वाली आवाजों को दबाने का आरोप लगाया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं। गांधी ने कहा कि जब सोनम वांगचुक जी अहिंसक भूख हड़ताल पर थे, तब उन्हें जंतर-मंतर से हटाना गलत है। वांगचुक के विरोध को शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी व्यापक चिंताओं से जोड़ते हुए गांधी ने कहा कि पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और

छात्रों की आत्महत्या भारत के भविष्य के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी ताकत भारत के छात्रों को और हममें से उन लोगों को जो उनसे प्यार करते हैं और उनमें भरोसा रखते हैं। इन मुद्दों को उठाने से नहीं रोक सकती। यह बयान देहरादून में 'छात्रों की गूंज' रैली को गांधी के संबोधित करने के एक दिन बाद आया है, जहां उन्होंने भारत की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधारों की मांग की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि किसी भी राजनीतिक दल या संगठन का शिक्षण संस्थानों पर नियंत्रण नहीं होना चाहिए और बार-बार होने वाले पेपर लीक की समस्या से निपटने के लिए व्यापक राजनीतिक सहमति बनाने का आह्वान किया था। रैली में गांधी ने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने से लगभग 75 लाख छात्र प्रभावित हुए हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

संघ की शताब्दी यात्रा
संघ की जीवंत परम्परा की सूरत सत्य के आईने में

-ललित गर्ग

सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे-स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक परिवर्तन, वैश्वीकरण, कोरोना महामारी और विकसित भारत की नई आकांक्षाएं। इन सभी चरणों में संघ ने स्वयं को केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रचेतना के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि संघ की शताब्दी केवल किसी संगठन की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि इस सार्थक एवं राष्ट्र-निर्माण की विचार-यात्रा का मूल्यांकन भी है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाशित आरएसएस एट 100: एक सदी संकल्प की अत्यंत महत्त्वपूर्ण पुस्तक बनकर सामने आती है। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसामय संगठन है, जो हर मोड पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी निरंतरता में संघ की पहली शताब्दी का महत्व निहित है और शायद अगली शताब्दी के संकल्पों की दिशा भी।

सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम- दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों में बीच बढ़ती जा रही है। इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है। जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति ने इसे केवल पुस्तक-विमोचन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा पर एक राष्ट्रीय विमर्श का स्वरूप प्रदान किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जुड़ी अनेक नये सन्दर्भों एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियाँ और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन भ्रमों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-2047, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है।

पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतिवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि संघ स्वयं राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाला संगठन है। शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण, सेवा, संस्कृति, श्रमिक संगठन, छात्र आंदोलन, महिला सशक्तिकरण, अनुसूचित वर्गों के उत्थान तथा आपदा राहत जैसे अनेक क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों की भूमिका का विस्तृत परिचय दिया गया है। विशेष रूप से सेवा कार्यों का विवरण इस पुस्तक की आत्मा है। कोरोना महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी समाज तथा अभावग्रस्त वर्गों के बीच संघ और उसके स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों को तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ का सेवा कार्य केवल संकट के समय तक सीमित नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक साधना है।

पुस्तक में संघ से जुड़े अनेक मिथकों और विवादों पर भी खुलकर चर्चा की गई है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, जाति व्यवस्था, आरक्षण, महिलाओं की भूमिका, अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण तथा लोकतंत्र के प्रति संघ की प्रतिबद्धता जैसे विषयों को विस्तार से समझाया गया है। विशेष रूप से राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से महिलाओं की सहभागिता का विवरण उन धारणाओं को चुनौती देता है कि संघ में महिलाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। पुस्तक का एक आकर्षक अध्याय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को संघ की वैचारिक दृष्टि से देखता है।

वैचारिक दृष्टि से देखें तो पुस्तक बार-बार इस तथ्य को रेखांकित करती है कि संघ का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि चरित्रवान नागरिकों का निर्माण है। संघ के अनुसार राष्ट्र निर्माण का आधार व्यक्ति निर्माण है। शाखा इसी उद्देश्य की प्रयोगशाला है, जहां अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक समरसता का अभ्यास कराया जाता है। यही कारण है कि पुस्तक बार-बार यह स्थापित करती है कि स्वयंसेवक ही संघ का वास्तविक परिचय है। निस्संदेह किसी भी वैचारिक पुस्तक की तरह इस पुस्तक को भी विभिन्न दृष्टिकोणों से पढ़ा जा सकता है। आलोचक इसके कुछ निष्कर्षों से असहमति व्यक्त कर सकते हैं, जबकि समर्थकों को इसमें अपने विचारों का प्रामाणिक आधार मिलेगा। किंतु इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पाठक को पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर संघ को उसके अपने संदर्भों में समझने का अवसर देती है। यही किसी भी गंभीर वैचारिक पुस्तक की सफलता होती है। संघ के विषय में पहले भी अनेक महत्त्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं, जिनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के 100 वर्ष, कृति रूप संघ दर्शन, ह्वराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली अग्निपरीक्षा, तथा सुनील आंबेकर की चर्चित कृति ह्वराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघः स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र उल्लेखनीय हैं। इन कृतियों की परंपरा में आरएसएस एट 100 अपनी समकालीन प्रस्तुति, व्यापक शोध और संतुलित संरचना के कारण विशिष्ट स्थान प्राप्त करती है।

पंजाब के सियासी रण में प्रधानमंत्री मोदी की एंट्रीः चुनावी समीकरणों और भविष्य की राजनीति पर प्रभाव

अशोक भाटिया

पंजाब की सियासत हमेशा से देश की राजनीति में एक अलग और विशिष्ट स्थान रखती रही है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण यहाँ की सुरक्षा, सामाजिक ताना-बाना और आर्थिक चुनौतियाँ राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती हैं। हाल के दिनों में पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा मोड़ तब आया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के चुनावी रण में सीधे तौर पर कदम रखा। उनकी रैलियों, घोषणाओं और आक्रामक राजनीतिक तेवरों ने पंजाब की राजनीति में एक नई हलचल पैदा कर दी है। इस प्रविष्टि से न केवल राज्य के चुनावी समीकरणों में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं, बल्कि लंबे समय से चले आ रहे पारंपरिक गठबंधनों और राजनीतिक प्राथमिकताओं को भी एक नया आकार मिलता दिख रहा है।

जालंधर की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंच पर 'हरी पगड़ी' पहनकर आना एक बड़ा राजनीतिक संकेत था. हरी पगड़ी पारंपरिक रूप से पंजाब में किसानों और कृषि क्रांति का प्रतीक मानी जाती है। इसके जरिए उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि वे किसानों की भावनाओं और पहचान का सम्मान करते हैं और भाजपा किसान विरोधी नहीं है. प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में चतुर राजनीतिक चाल चलते हुए पड़ोसी राज्य हरियाणा का उदाहरण पेश किया. उन्होंने रेखांकित किया कि हरियाणा में भाजपा सरकार किसानों की 24 फसलों पर टरढ दे रही है. इसके माध्यम से पंजाब के किसानों के बीच यह नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही है कि यदि पंजाब में भी 'डबल इंजन सरकार' आती है, तो यहाँ के किसानों को भी वैसा ही वित्तीय और ढांचागत लाभ मिल सकता है, जो आम आदमी पार्टी या कांग्रेस सरकार नहीं दे पा रही है।

पंजाब का राजनीतिक इतिहास मुख्य रूप से शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में आम आदमी पार्टी ने यहाँ एक मजबूत ताकत के रूप में उभरकर सत्ता हासिल की, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया। अब, भारतीय जनता पार्टी द्वारा अकेले चुनाव लड़ने के फैसले और प्रधानमंत्री मोदी के सीधे कमान संभालने से यह मुकाबला पूरी तरह से चतुष्कोणीय और बेहद जटिल हो गया है।अकाली दल के साथ दशकों पुराने गठबंधन के टूटने के बाद, भाजपा को पंजाब में एक जूनियर पार्टनर या सिर्फ शहरी इलाकों तक सीमित पार्टी के रूप में देखा जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री की एंट्री ने भाजपा को एक स्वतंत्र और आक्रामक विकल्प के रूप में पेश किया है। प्रधानमंत्री की जनसभाओं में उमड़ी भीड़ और उनके भाषणों के तेवर यह साफ करते हैं कि भाजपा अब राज्य में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए नहीं, बल्कि मुख्यधारा की ताकत बनने के इरादे से उतर चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति की एक बड़ी विशेषता यह रही है कि वे हर चुनाव को केंद्र सरकार की योजनाओं और राष्ट्रीय प्रगति से जोड़ते हैं। पंजाब में भी उन्होंने इसी रणनीति को आगे बढ़ाया है। उन्होंने जालंधर और अन्य क्षेत्रों में हजारों करोड़ रुपये की रेल और सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सौगात देकर विकास के नैरेटिव को धार दी है।पंजाब लंबे समय से भारी कर्ज, उद्योगों के पलायन और कृषि क्षेत्र में ठहराव जैसी आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि राज्य की इन गहरी आर्थिक समस्याओं का समाधान केवल केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार यानी 'डबल इंजन सरकार' के माध्यम से ही संभव है। यह नैरेटिव विशेष रूप से पंजाब के शहरी मतदाताओं, व्यापारियों और युवाओं को आकर्षित कर सकता है, जो राज्य में औद्योगिक पुनरुद्धार और रोजगार के नए अवसरों की तलाश में हैं।

प्रधानमंत्री ने पंजाब की धरती से राज्य की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखे हमले किए हैं। उन्होंने 'आप' सरकार को कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मोर्चे पर घेरते हुए 'कट्टर बेईमान' की संज्ञा दी, तो वहीं कांग्रेस को अंदरूनी कलह और दिशाहीनता का शिकार बताया।इस सीधे हमले का असर यह होगा कि अब तक जो मुकाबला 'आप' बनाम कांग्रेस या 'आप' बनाम अकाली दल के बीच सिमटा हुआ दिख रहा था, वह अब केंद्र बनाम राज्य के मुद्दों पर केंद्रित हो सकता है। विपक्ष को अब न केवल अपनी लोकलुभावन योजनाओं का बचाव करना होगा, बल्कि केंद्र द्वारा उठाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा और वित्तीय कुप्रबंधन के सवालों का भी जवाब देना होगा। इससे क्षेत्रीय दलों को अपनी रणनीतियों में बदलाव करने और रक्षात्मक मुद्रा से बाहर आने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

पंजाब की जनसांख्यिकी बेहद अनूठी है। यहाँ लगभग 32 प्रतिशत दलित आबादी है, जो देश के किसी भी अन्य राज्य की तुलना में आनुपातिक रूप से सबसे अधिक है। इसके साथ ही, सिख और हिंदू मतदाताओं का संतुलन राज्य की सत्ता की चाबी तय करता है। प्रधानमंत्री मोदी की रणनीति इन सभी वर्गों को एक साथ साधने की दिख रही है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में सिख समुदाय के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जैसे करतारपुर साहिब कॉरिडोर को खोलना, गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश पर्व लाल किले से मनाना, वीर बाल दिवस की शुरूआत और 1984 के दंगों के पीड़ितों को न्याय दिलाने की कोशिशें। प्रधानमंत्री अपनी रैलियों में इन कदमों का जिक्र कर सिख मतदाताओं के मन में यह विश्वास जगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनकी सरकार पंथिक भावनाओं का सम्मान करती है। इस समय पंजाब की राजनीति में विभिन्न डेरों (जैसे डेरा सचखंड बलान और राधा स्वामी सत्संग ब्यास) का गहरा प्रभाव है, जिनसे बड़ी संख्या में दलित और पिछड़े वर्ग के लोग जुड़े हैं। प्रधानमंत्री का इन डेरों के संतों और प्रमुखों से मिलना सीधे तौर पर इस विशाल मतदाता वर्ग को एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास है। यदि भाजपा इस वर्ग में सेंध लगाने में सफल रहती है, तो यह पंजाब की पारंपरिक राजनीति के लिए सबसे बड़ा उलटफेर होगा।

एक सीमावर्ती राज्य होने के नाते पंजाब में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बेहद संवेदनशील है। ड्रोन के जरिए हथियारों और ड्रग्स की तस्करी, और सीमा पार से पैदा होने वाले खतरे हमेशा चिंता का विषय रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अक्सर इस बात पर जोर देते हैं कि पंजाब जैसे संवेदनशील राज्य में एक मजबूत और दृढ़ इच्छाशक्ति वाली सरकार की जरूरत है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता न करे।नशीली दवाओं (ड्रग्स) के संकट से पंजाब की युवा पीढ़ी लंबे समय से प्रभावित रही है। प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे को सीधे तौर पर उठाते हुए इसे राज्य के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है। राष्ट्रवाद और आंतरिक सुरक्षा के इस मिश्रण से भाजपा उन मतदाताओं को एकजुट करने का प्रयास कर रही है, जो राज्य की शांति और स्थिरता को सर्वोपरि मानते हैं।

भले ही प्रधानमंत्री मोदी की एंट्री से भाजपा के कार्यकर्ताओं में नया जोश आया है और राजनीतिक विमर्श बदला है, लेकिन पंजाब की राह पार्टी के लिए कांटों भरी भी है। जैसे तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए लंबे किसान आंदोलन की यादें अभी भी पंजाब के ग्रामीण इलाकों, विशेषकर मालवा क्षेत्र में ताजा हैं। हालांकि सरकार ने कानून वापस ले लिए थे, लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और अन्य मुद्दों को लेकर किसानों का एक बड़ा वर्ग अभी भी केंद्र सरकार से असंतुष्ट है। प्रधानमंत्री के लिए ग्रामीण पंजाब और किसान यूनियनों के इस विरोध को शांत करना एक बड़ी चुनौती होगी।इसके अलावाअकाली दल के साथ लंबे समय तक रहने के कारण भाजपा का अपना कैडर मुख्य रूप से शहरों तक ही सीमित रहा। ग्रामीण इलाकों में बूथ स्तर पर मजबूत संगठन खड़ा करना रातोंरात संभव नहीं है। भले ही कई बड़े नेता दूसरी पार्टियों से टूटकर भाजपा में शामिल हुए हैं, लेकिन उन्हें जमीन पर स्वीकार्यता दिलाना और स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ उनका तालमेल बिठाना एक कठिन काम है।

वैसे पंजाब के सियासी समर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एंट्री महज एक चुनावी औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह पंजाब की पारंपरिक राजनीतिक दिशा को बदलने का एक गंभीर प्रयास है। उनके आने से राज्य का चुनाव अब स्थानीय मुद्दों और मुफ्त की योजनाओं के वादों से आगे बढ़कर राष्ट्रीय सुरक्षा, औद्योगिक विकास, और केंद्र-राज्य संबंधों के व्यापक फलक पर पहुंच गया है।

यह एंट्री 'आप' के लिए अपनी सत्ता बचाने की, कांग्रेस के लिए अपने अस्तित्व को पुनर्जीवित करने की और अकाली दल के लिए अपनी खोई हुई पंथिक जमीन वापस पाने की परीक्षा बन गई है। वहीं भाजपा के लिए यह साबित करने का मौका है कि वह बिना किसी क्षेत्रीय बैसाखी के भी पंजाब के मतदाताओं के दिल में जगह बना सकती है। आने वाले दिन इस बात का फैसला करेंगे कि प्रधानमंत्री का यह आक्रामक अंदाज पंजाब के जटिल सामाजिक-राजनीतिक ताने-बाने में कितना गहरा असर छोड़ पाता है, लेकिन एक बात तय है कि पंजाब की राजनीति अब वैसी नहीं रहेगी जैसी वह मोदी की एंट्री से पहले थी। चुनाव परिणाम जो भी हों, पंजाब एक नए राजनीतिक संक्रांति काल से गुजर रहा है।

माइक, मोबाइल... और 'पत्रकार'! ... भरोसा किसके हाथ में?

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ आज शायद अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। तकनीक ने हर हाथ में कैमरा और हर जेब में प्रसारण का माध्यम दे दिया है। यह बदलाव अभिव्यक्ति की आजादी का सबसे बड़ा विस्तार भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। खबरें अब न्यूजरूम से कम और मोबाइल स्क्रीन से ज्यादा निकल रही हैं। ऐसे में यह सवाल पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है कि क्या केवल कैमरा और माइक्रोफोन किसी को पत्रकार बना देते हैं, या पत्रकारिता की पहचान अभी भी सत्य, प्रशिक्षण, नैतिकता और जनउत्तरदायित्व से तय होगी? दिल्ली हाईकोर्ट की हालिया टिप्पणी ने इसी बहस को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला खड़ा किया है। अदालत ने प्रेस की स्वतंत्रता को लोकतंत्र का आधार बताते हुए यह भी स्पष्ट किया कि इसके नाम पर गैर-जिम्मेदाराना आचरण, भय पैदा करना और अपुष्ट सूचनाओं का प्रसार स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह टिप्पणी किसी व्यक्ति विशेष पर नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर प्रश्न है जिसमें असली और फर्जी पत्रकार के बीच की रेखा लगातार धुंधली होती जा रही है। अब समय आ गया है कि देश केवल प्रेस की स्वतंत्रता ही नहीं, बल्कि उसकी विश्वसनीयता और जवाबदेही पर भी गंभीर राष्ट्रीय बहस शुरू करे. ऐसे में बड़ा सवाल तो यही हैआखिर लोकतंत्र किस पर करे भरोसा? अभिव्यक्ति की आजादी पर नहीं, उसके नाम पर फैल रही अराजकता पर अदालत की चिंता जायज है से इनकार नहीं किया जा सकता. अब देश को तय करना होगा–पत्रकारिता पेशा है, जिम्मेदारी है या केवल सोशल मीडिया का एक प्रोफाइल?

-सुरेश गांधी

लोकतंत्र में पत्रकारिता की पहचान कभी कैमरे से नहीं हुई। उसकी पहचान कलम की विश्वसनीयता, तथ्यों की पवित्रता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से हुई। लेकिन डिजिटल युग की बाढ़ में यह पहचान धुंधली होती जा रही है। आज एक मोबाइल, एक माइक्रोफोन और एक सोशल मीडिया चैनल किसी को भी लाखों लोगों तक पहुंचा देता है। प्रश्न यह नहीं कि बोलने का अधिकार किसे है। प्रश्न यह है कि समाज को प्रभावित करने का अधिकार बिना किसी जवाबदेही के किसे होना चाहिए? दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी इसी प्रश्न के केंद्र में खड़ी दिखाई देती है। अदालत ने प्रेस की स्वतंत्रता पर कोई प्रहार नहीं किया। उसने केवल इतना कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता को गैर-जिम्मेदाराना आचरण, भय पैदा करने, आधे-अधूरे तथ्यों और सामाजिक तनाव फैलाने का कवच नहीं बनाया जा सकता। अदालत की चिंता दरअसल उस बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर है, जिसमें कुछ स्वयंभू रिपोर्टर कैमरे के सामने अदालत भी बन जाते हैं, अभियोजक भी और न्यायाधीश भी।

आज सबसे बड़ा संकट सूचना का नहीं, विश्वसनीय सूचना का है। खबरें पहले पहुंच रही हैं, सत्य बाद में। तथ्य बाद में सामने आते हैं, लेकिन फैसले पहले सुना दिए जाते हैं। सोशल मीडिया की अदालत में न जांच होती है, न सुनवाई और न अपील। किसी की प्रतिष्ठा मिनटों में कठघरे में खड़ी कर दी जाती है। ऐसे में न्यायपालिका की चिंता स्वाभाविक है। लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण दूसरा पक्ष भी है। भारत की स्वतंत्र पत्रकारिता ने आपातकाल से लेकर अनेक राष्ट्रीय संकटों तक लोकतंत्र की रक्षा की है। इसलिए जवाबदेही के नाम पर ऐसा कोई कानून नहीं बनना चाहिए, जो सत्ता की आलोचना करने वाली पत्रकारिता का गला घोंट दे। स्वतंत्रता और जवाबदेही विरोधी नहीं, बल्कि लोकतंत्र के दो पूरक स्तंभ हैं। यहीं से एक बड़ी राष्ट्रीय बहस जन्म लेती है। यदि डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य पेशों की पहचान, पंजीकरण और पेशेवर आचार संहिता है, तो पत्रकारिता में भी विश्वसनीय पहचान और उत्तरदायित्व की व्यवस्था पर गंभीर चर्चा क्यों नहीं होनी चाहिए? इसका अर्थ सरकारी नियंत्रण नहीं, बल्कि जनता के सामने यह स्पष्ट होना है कि वास्तविक पत्रकार कौन है और केवल डिजिटल प्रभाव पैदा करने वाला व्यक्ति कौन।

इसी संदर्भ में ॽएक देशॽएक पहचान पत्रकारॽ जैसे विचार अब केवल निजी प्रस्ताव नहीं रह गए हैं, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन सकते हैं। ऐसी व्यवस्था, यदि कभी बने, तो उसका उद्देश्य किसी पत्रकार को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि असली पत्रकार और फर्जी पहचान के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित करना होना चाहिए। यह व्यवस्था सरकार के अधीन नहीं, बल्कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और बहु-पक्षीय संस्थागत ढांचे के माध्यम से विकसित हो, ताकि प्रेस की स्वतंत्रता अक्षुण्ण रहे और जनता का भरोसा भी मजबूत हो। पत्रकारिता को सबसे बड़ा खतरा सत्ता से कम, विश्वसनीयता के क्षरण से अधिक है। जिस दिन समाज को समाचार और सनसनी में फर्क दिखाई देना बंद हो जाएगा, उसी दिन लोकतंत्र का चौथा स्तंभ अपनी सबसे बड़ी पूंजी खो देगा। दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी किसी पेशे पर हमला नहीं, बल्कि एक आईना है। अब यह मीडिया, विधायिका और समाज–तीनों पर निर्भर है कि वे इस आईने में अपना चेहरा देखने का साहस जुटाते हैं या नहीं। क्योंकि लोकतंत्र को केवल बोलने वाले नहीं, सत्य के प्रति जवाबदेह पत्रकार चाहिए।

बहस का असली सवाल

यह बहस यूट्यूबर बनाम पत्रकार की नहीं है। सवाल यह है कि जो भी समाज को सूचना दे रहा है, क्या वह तथ्यों के प्रति जवाबदेह है? माध्यम बदल सकता है, लेकिन सत्य की कसौटी नहीं।

विश्वसनीयता की सबसे बड़ी परीक्षा

समाचार की दुनिया में सबसे पहले पहुंचना उपलब्धि हो सकती है, लेकिन सबसे सही होना ही पत्रकारिता है। लोकतंत्र की नींव गति पर नहीं, भरोसे पर टिकी होती है।

'एक देश-एक पहचान पत्रकार' क्यों?

यदि डॉक्टर, वकील और चार्टर्ड अकाउंटेंट की प्रमाणित पहचान हो सकती है, तो पत्रकारिता में भी ऐसी व्यवस्था पर राष्ट्रीय बहस हो सकती है, जिससे असली पत्रकार और फर्जी पहचान के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित हो। यह नियंत्रण का नहीं, विश्वास का प्रश्न है।

नियमन या नियंत्रण?

यहीं सबसे बड़ी सावधानी जरूरी है। जवाबदेही के नाम पर ऐसा कोई कानून नहीं होना चाहिए जो खोजी पत्रकारिता की आवाज दबा दे। नियमन का उद्देश्य स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं, बल्कि उसकी विश्वसनीयता को मजबूत करना होना चाहिए।

सबसे बड़ा खतरा बाहर नहीं, भीतर है

पत्रकारिता को सबसे बड़ा खतरा किसी सरकार से नहीं, बल्कि फर्जी खबरों, सनसनी, ब्लैकमेल, अपुष्ट सूचनाओं और गिरते जनविश्वास से है। चौथा स्तंभ तभी मजबूत रहेगा, जब उसकी सबसे बड़ी पूंजी–विश्वसनीयता–सुरक्षित रहे।

यूपी में शिक्षकों को साधने में जुटी योगी सरकार

गांव की पगडंडियों से लेकर कस्बों की गलियों तक, उत्तर प्रदेश में 'मास्टर साहब' का रुतबा किसी नेता से कम नहीं होता। बच्चों को पहाड़े रटाने वाला यही शिक्षक चुनाव के मौसम में पूरे मोहल्ले की राय बदलने की ताकत रखता है। यही वजह है कि पिछले तीन महीनों में योगी आदित्यनाथ सरकार ने शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के लिए घोषणाओं की मानो झड़ी ही लगा दी है। कैशलेस इलाज से लेकर करोड़ों के दुर्घटना बीमा तक, हर फैसला सीधे इस बड़े वोट-बैंक को साधने की कोशिश जैसा दिख रहा है।पहले जरा आंकड़ों की जमीन पर खड़े होकर समझें कि यह तबका है कितना बड़ा। अकेले बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत ही करीब पांच से छह लाख नियमित शिक्षक काम कर रहे हैं। इनके साथ डेढ़ लाख के आसपास शिक्षामित्र और लगभग पच्चीस हजार अंशकालिक अनुदेशक भी इसी तंत्र का हिस्सा हैं। इसके अलावा राजकीय और सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों और स्टाफ की संख्या दो से ढाई लाख के बीच बैठती है। जब इनमें रिटायर हो चुके शिक्षक और इन सबके परिवार जोड़ दिए जाएं, तो यह संख्या तीस से चालीस लाख वोटों तक पहुंच जाती है। सिर्फ संख्या ही नहीं, समाज में शिक्षक की जो साख होती है, वह इस असर को और बड़ा बना देती है। गांव का वोटर चुनाव के वक्त मास्टर साहब की बात को गंभीरता से लेता है, और चुनाव ड्यूटी से लेकर वोटर लिस्ट दुरुस्त करने तक का ज्यादातर काम भी इन्हीं के कंधों पर टिका होता है। शायद इसीलिए कोई भी सरकार इस तबके को नाराज करने का जोखिम नहीं उठाना चाहती।

अब बात करते हैं उन फैसलों की, जिन्होंने पिछले कुछ हफ्तों में सुर्खियां बटोरीं। जुलाई 2026 में मुख्यमंत्री ने वाराणसी की धरती से 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' की शुरूआत की।

-अजय कुमार

इस योजना के दायरे में करीब बारह से पंद्रह लाख शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और यहां तक कि स्कूलों में खाना बनाने वाली रसोइया बहनें भी आ गई हैं। हर परिवार को सालाना पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलेगा, और इसका पूरा प्रीमियम खुद सरकार भरेगी। यह फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि लंबे समय से शिक्षक संगठन स्वास्थ्य सुरक्षा की मांग उठाते रहे हैं, खासकर कोविड के बाद जब अचानक इलाज का खर्च आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगा था।इसी कड़ी में सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ मिलकर एक बड़ा दुर्घटना बीमा कवर भी शुरू किया है। नियमित शिक्षकों के परिवार को अब किसी हादसे की सूरत में एक करोड़ रुपये तक मिल सकते हैं, जबकि संविदा पर काम कर रहे अनुदेशकों और शिक्षामित्रों को तीस से अस्सी लाख रुपये तक का कवर दिया गया है। यह उन तबकों के लिए बड़ी राहत है, जो अब तक किसी भी तरह की सामाजिक सुरक्षा से वंचित थे।अनुदेशकों की बात करें तो उनकी कहानी थोड़ी अलग है। फरवरी 2026 में सुप्रीम कोर्ट ने उनके बेहद कम मानदेय पर नाराजगी जताई थी, जिसके बाद मई में सरकार हरकत में आई और मासिक मानदेय नौ हजार से बढ़ाकर सीधे सत्रह हजार रुपये कर दिया। यह बढ़ोतरी एक अप्रैल 2026 से ही लागू मानी गई, यानी पीछे की तारीख से भी फायदा दिया गया। सालों से मामूली रकम में गुजारा कर रहे इन अनुदेशकों के लिए यह किसी बड़ी उम्मीद से कम नहीं था।

एक और मुद्दा जो लंबे समय से शिक्षकों को परेशान कर रहा था, वह था टीईटी यानी शिक्षक पात्रता परीक्षा। सुप्रीम कोर्ट ने आठवीं तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए यह परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया था, जिससे बरसों से नौकरी कर रहे शिक्षकों में डर बैठ गया कि उन्हें नए और युवा अभ्यर्थियों से सीधी टक्कर लेनी पड़ेगी। इसे भांपते हुए जुलाई की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन-सर्विस शिक्षकों के लिए अलग से टीईटी कराई जाए, ताकि वे बिना किसी अतिरिक्त दबाव के अपनी पात्रता साबित कर सकें। साथ ही जुलाई की यूपीटीईटी परीक्षा में बैठने वाले कार्यरत शिक्षकों को विशेष अवकाश भी दिया गया। इसके अलावा शहरी इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी को देखते हुए दस हजार से ज्यादा नए पदों पर भर्ती का खाका भी नवगठित उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को भेजा जा चुका है।लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही असरदार है। पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस की मांग सालों से शिक्षक संगठनों की सबसे बड़ी मांग बनी हुई है, और सरकार अब तक इसे वित्तीय बोझ बताकर टालती रही है। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते हैं, विपक्ष इस मुद्दे को हवा देने से नहीं चूकता। दूसरी बड़ी टीस शिक्षामित्रों की है। साल 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने सवा लाख से ज्यादा शिक्षामित्रों का सहायक शिक्षक पद पर समायोजन रद्द कर दिया था, और तब से यह मामला जस का तस अटका पड़ा है। मानदेय में मामूली सुधार तो हुए हैं, पर 'समान काम समान वेतन' और पूर्ण नियमितीकरण की मांग आज भी अधूरी है, और यह गुस्सा वक्त-वक्त पर सड़कों पर आंदोलन की शक्ल ले लेता है।

इसी साल जून-जुलाई में लागू हुई त्रि-स्तरीय तबादला और समायोजन नीति ने भी शिक्षकों को उलझन में डाल दिया। इसके अलावा स्कूलों में अनिवार्य की गई डिजिटल हाजिरी को लेकर भी प्रदेशभर में तीखा विरोध देखने को मिला। शिक्षकों का कहना है कि दूर-दराज के गांवों में जहां नेटवर्क ठीक से पकड़ता ही नहीं, वहां रोज ऑनलाइन हाजिरी लगाना व्यावहारिक तौर पर मुश्किल है। कुल मिलाकर देखा जाए तो कैशलेस इलाज, मोटा दुर्घटना बीमा और अनुदेशकों के मानदेय जैसी सौगातें सरकार के प्रति शिक्षकों की नाराजगी को काफी हद तक कम करने वाली साबित हो सकती हैं। अलग टीईटी का वादा भी इस तबके में राहत का माहौल बना गया है। पर पुरानी पेंशन और शिक्षामित्रों के नियमितीकरण जैसे बुनियादी सवाल अब भी जवाब मांग रहे हैं। आने वाले समय में यही देखना दिलचस्प होगा कि क्या ये तमाम मरहम शिक्षकों के पुराने जख्मों को पूरी तरह भर पाते हैं, या फिर चुनाव नजदीक आते ही यह असंतोष एक बार फिर सतह पर आ जाता है।

भारी बारिश की आशंका को देखते हुए एमबीवीवी पुलिस की नागरिकों से अपील

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार ठाणे और पालघर जिलों में भारी एवं लगातार बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय ने नागरिकों से सतर्क रहने और अपनी तथा अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।

पुलिस ने नागरिकों से कहा है कि अत्यावश्यक कार्य के अलावा घर से बाहर निकलने से बचें। कमजोर अथवा खतरनाक इमारतों के पास खड़े न हों और पुलों पर बहते पानी के बीच से किसी भी परिस्थिति में यात्रा न करें।

पुलिस ने वर्षा पर्यटन के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए नागरिकों से खतरनाक स्थानों पर जाने से बचने को कहा है। साथ ही समुद्र तटों और नदी किनारे जाने से भी परहेज करने की सलाह दी गई है। आपातकालीन स्थिति में नागरिक स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें अथवा तत्काल 112 पर डायल करें। पुलिस ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। नागरिक सतर्क रहें और सुरक्षित रहें।

किआ इंडिया ने अपनी दूसरी मास-मार्केट इलेक्ट्रिक एसयूवी 'सायरोस ईवी' पेश की

मुंबई। भारत के प्रमुख मास प्रीमियम ऑटोमेकरों में से एक, किआ इंडिया ने आज अपनी दूसरी मास-मार्केट इलेक्ट्रिक एसयूवी सायरोस ईवी को पेश किया और किआ इंडिया की वेबसाइट तथा देशभर के डीलरशिप्स के जरिए 25,000 रुपये में प्री बुकिंग शुरू कर दी। सायरोस ईवी 526 किलोमीटर की सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ एआरएआई प्रमाणित रेंज के साथ आती है। इसे ऐसे स्वामित्व पैकेज के साथ पेश किया गया है, जो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने में आने वाली आम चिंताओं को कम करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें लाइफटाइम हाई वोल्टेज बैटरी वारंटी, गारंटीड बायबैक प्रोग्राम और लचीला बैटरी ऐज अ सर्विस यानी बीएएएस फाइनेंसिंग विकल्प शामिल है। भारत में ईवी खरीदने वाले अब सिर्फ रेंज तक सीमित नहीं हैं। बाजार के परिपक्व होने के साथ ग्राहक अब ऐसी इलेक्ट्रिक एसयूवी चाहते हैं, जो बिना किसी समझौते के उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में आसानी से फिट हो सके। वे सहज तकनीक, जुड़े हुए अनुभव, भरोसेमंद चार्जिंग और लंबे समय तक बने रहने वाले मूल्य का भरोसा चाहते हैं। सायरोस ईवी इन्हीं जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसमें एसयूवी का दमदार डिजाइन और बहुपयोगिता, ईवी केंद्रित तकनीक, अपने सेगमेंट में आगे रहने वाले फीचर्स और मजबूत सुरक्षा का संतुलन दिया गया है। इस घोषणा के बारे में किआ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री ग्वांगगू ली ने कहा, हमारा दर्शन, मूवमेंट दैट इंस्पायर्स, भविष्य की मोबिलिटी को ग्राहकों के लिए अर्थपूर्ण, सुलभ और उपयोगी बनाने पर केंद्रित है। सायरोस ईवी के साथ, जो भारत के लिए हमारी दूसरी मास मार्केट इलेक्ट्रिक कार है, हम उन्नत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को ज्यादा लोगों तक पहुंचा रहे हैं। यह सिर्फ आधुनिक तकनीक से नहीं, बल्कि उन चिंताओं को दूर करके भी किया जा रहा है, जो ग्राहकों को पीछे रोकती हैं। सायरोस ईवी 526 किलोमीटर की बेस्ट इन सेगमेंट एआरएआई प्रमाणित रेंज देती है। यह अपने सेगमेंट की पहली कार है, जिसने 500 किलोमीटर का आंकड़ा पार किया है। 171 ढर के बेस्ट इन सेगमेंट पावर आउटपुट के साथ यह प्रदर्शन से समझौता किए बिना आगे बढ़ने का भरोसा देती है। लाइफटाइम बैटरी वारंटी, अस्योरड बायबैक और बीएएएस जैसे आसान स्वामित्व अनुभव के साथ हम भारतीय परिवारों के लिए सबसे अहम चिंताओं को दूर कर रहे हैं और उन्हें इलेक्ट्रिक कार अपनाने के और करीब ला रहे हैं। इसकी मुख्य विशेषताओं में लाइफटाइम हाई वोल्टेज बैटरी वारंटी, अश्योर्ड बायबैक प्रोग्राम, और शुरूआती लागत कम करने वाला 'बैटरी ऐज अ सर्विस' मॉडल शामिल हैं, जो ईवी अपनाने की सभी चिंताओं को दूर करते हैं।

पर्नोड रिकार्ड इंडिया के 'रॉयल स्टैग' का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डंका

मुंबई। पर्नोड रिकार्ड इंडिया ने घोषणा की है कि IWSR 2025 की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, रॉयल स्टैग वर्ष 2025 में दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला व्हिस्की ब्रांड बन गया है। वर्ष 2025 में इस ब्रांड की कुल 3.26 करोड़ (32.6 मिलियन) केस की बिक्री दर्ज की गई। यह रॉयल स्टैग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। पर्नोड रिकार्ड इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जीन टुबूल ने कहा,"IWSR 2025 की रैंकिंग के अनुसार रॉयल स्टैग का दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला व्हिस्की ब्रांड बनना पर्नोड रिकार्ड इंडिया के लिए गर्व की बात है। लेकिन इस उपलब्धि की सबसे बड़ी वजह पिछले तीन दशकों से हमारे उपभोक्ताओं का हम पर बना विश्वास है। जो ब्रांड समय के साथ उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को समझते हैं, अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखते हैं और लगातार करने की कोशिश करते हैं, वे केवल प्रासंगिक ही नहीं रहते, बल्कि दुनिया में अग्रणी भी बनते हैं। रॉयल स्टैग की यात्रा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इस उपलब्धि पर पर्नोड रिकार्ड इंडिया की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर (सीएमओ) देबाश्री दासगुप्ता ने कहा, लोकप्रिय और प्रतिष्ठित ब्रांड केवल बोर्डरूम में नहीं बनते, बल्कि वे लोगों की संस्कृति का हिस्सा बनते हैं और हर ग्राहक का भरोसा जीतकर अपनी पहचान बनाते हैं। रॉयल स्टैग का दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला व्हिस्की ब्रांड बनना केवल बिक्री का रिकॉर्ड नहीं है। यह पिछले 30 वर्षों से उपभोक्ताओं की बदलती पसंद के के अनुरूप बने रहने और उनके जीवन का हिस्सा बनने की हमारी कोशिश का परिणाम है। हमने कभी सिर्फ इस श्रेणी का अनुसरण करने में विश्वास नहीं किया, बल्कि उसे नई दिशा देने का प्रयास किया है। रॉयल स्टैग की लगातार सफलता के पीछे उपभोक्ताओं की पसंद को गहराई से समझना और लगातार नए प्रयोग करना सबसे बड़ी वजह रही है। पिछले कुछ वर्षों में ब्रांड ने क्रिकेट, संगीत और युवा संस्कृति से जुड़े कई प्रभावशाली मंच तैयार किए हैं। इनमें रॉयल स्टैग बूमबॉक्स और आईसीसी टी20 विश्व कप के साथ साझेदारी प्रमुख हैं। भारत में आर्थिक उदारीकरण के बाद रॉयल स्टैग ने उपभोक्ताओं को ग्रेन व्हिस्की से परिचित कराया। आकर्षक नई बोतलों की डिजाइन से लेकर छेड़छाड़ रोकने वाले सुरक्षित ढक्कनों तक, हर नए बदलाव के जरिए ब्रांड ने गुणवत्ता और भरोसे को प्राथमिकता दी।

कल्याण क्राइम ब्रांच द्वारा 36 घंटे के भीतर मर्डर का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के आडीवली स्थित काका ढाबा के पास पुराने विवाद को लेकर अर्जुन काळपांडे उर्फ 'पेंद्या भाई' की निर्मम हत्या के मामले में कल्याण अपराध शाखा (यूनिट-3) ने महज 36 घंटे के भीतर वारदात का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अविनाश लल्लन झा (28), कल्पेश ज्ञानेश्वर मढवी (21) और करण भरत गायकवाड़ (23) के रूप में हुई है। तीनों आरोपी कल्याण पूर्व के मलंग रोड स्थित द्वारली गांव के निवासी हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों की अर्जुन काळपांडे से पुरानी रंजिश थी। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए उन्होंने उसे काका ढाबा के पास घेर लिया और धारदार हथियार से ताबड़तोड़ 16 वार कर उसकी हत्या कर दी। इस दौरान बीच-बचाव करने आई अर्जुन की महिला मित्र पर भी आरोपियों ने चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए थे। मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज होने के बाद कल्याण क्राइम ब्रांच यूनिट-3 ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान की। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी एक स्थान पर छिपे हुए हैं और फरार होने की तैयारी में हैं। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी अविनाश लल्लन झा के खिलाफ पहले से ही मानपाड़ा, महात्मा फुले, शिवाजीनगर और कापूरबावड़ी पुलिस थानों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह पूरी कार्रवाई कल्याण अपराध शाखा यूनिट-3 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजित शिंदे के नेतृत्व में उनकी टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दी। पुलिस अब मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

हिंदू राष्ट्र सेवा संघ ने की रात के समय लोकल ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग

मुंबई। कल्याण, अंबरनाथ बदलापुर, कर्जत और खोपोली की ओर देर रात यात्रा करना खतरे से खाली नहीं है। जिसका मुख्य कारण यह है कि रात ग्यारह बजे के बाद कल्याण, अंबरनाथ बदलापुर, कर्जत की ओर जाने वाली ट्रेनों के लगेज डिब्बों और दिव्यांगो के डिब्बों में असामाजिक तत्वों, शराबियों का जमावड़ा बढ़ जाता है। ऐसे में आम यात्रियों को ट्रेन में यात्रा के दौरान काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसके कारण हिंदू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने रात के समय में लोकल ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

बता दें कि लोकल ट्रेन में कुछ ही दिन पहले २४ वर्षीय मयंक लोहार की चाकू मारकर हुई हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि एक और रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आ गई है। सी एस एम टी/परेल से अंबरनाथ जा रही लोकल ट्रेन के लगेज डिब्बे में सीट को लेकर हुए विवाद में यात्रियों के बीच जमकर खून खराबा हुआ। इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें दो यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। रेलवे पुलिस जी आर पी और आर पी एफ की जांच में सामने आया कि घटना देर रात डोंबिवली और ठाकुर्ली स्टेशन के बीच हुई। इस घटना को संज्ञान में लेते हुए मध्य रेलवे के महाप्रबंधक,सुरक्षा आयुक्त से हिन्दू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने कल्याण, अंबरनाथ,बदलापुर और कर्जत की ओर जाने वाली लोकल ट्रेनों में विशेष रूप से रात के समय सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र शिवचरण मेश्राम को मिलेगा महाराष्ट्र लोकनायक अवॉर्ड-2026

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। आधार सेवाभावी संस्था के फाउंडर प्रेसिडेंट एवं सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र शिवचरण मेश्राम का चयन प्रतिष्ठित महाराष्ट्र लोकनायक अवॉर्ड-2026 के लिए किया गया है। यह राज्य स्तरीय सम्मान महाराष्ट्र के चर्चित हिंदी दैनिक लोक युवा समाचार पत्र द्वारा सामाजिक सेवा व पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जायेगा। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किये जाने वाले महाराष्ट्र लोकनायक अवॉर्ड-2026 का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करना है। इस सम्मान के तहत पत्रकारिता, शिक्षा, साहित्य, समाजसेवा, खेल, राजनीति, चिकित्सा, विधि, महिला सशक्तिकरण, कला तथा अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों का चयन किया गया है। पालघर जिले के बोईसर से देवेंद्र शिवचरण मेश्राम का चयन होने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सामाजिक संगठनों, पत्रकारों, शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे जिले के लिए गौरव का विषय बताया है। उक्त सम्मान समारोह रविवार 2 अगस्त 2026 को शेंगांव, जिला बुलढाणा में आयोजित किया जायेगा, जहां विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति में देवेंद्र शिवचरण मेश्राम को महाराष्ट्र लोकनायक अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया जायेगा।

स्पा सेंटर में काम करने वाली युवतियों को ग्राहकों तक पहुंचाकर देह व्यापार कराने वाली महिला एजेंट गिरफ्तार

◆कासारवडवली में एएचटीसी की कार्रवाई; दो पीड़ित युवतियों को रेस्क्यू कर सुरक्षित महिला सुधारगृह भेजने की प्रक्रिया शुरू

ठाणे (उत्तरशक्ति)। थाणे शहर पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत कासारवडवली पुलिस स्टेशन की सीमा में स्पा सेंटर में काम करने वाली युवतियों को ग्राहकों तक पहुंचाकर देह व्यापार कराने के आरोप में अनैतिक मानव वाहतूक प्रतिबंधक शाखा (एएचटीसी) की टीम ने एक महिला एजेंट को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान दो पीड़ित युवतियों को भी रेस्क्यू किया। पुलिस के अनुसार, एएचटीसी की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि कासारवडवली पुलिस स्टेशन की सीमा में आनंद नगर, विजय गार्डन रोड स्थित शंभूजी होटल के पास एक महिला एजेंट स्पा सेंटर में काम करने वाली युवतियों को ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराने आने वाली है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बोगस ग्राहक और पंच की मदद से जाल बिछाया। इसके बाद पुलिस ने शंभूजी होटल के पास कार्रवाई करते हुए महिला एजेंट को हिरासत में लिया और उसके कब्जे से दो पीड़ित युवतियों को देह व्यापार के चंगुल से मुक्त कराया। जांच में सामने आया कि आरोपी महिला एजेंट कथित रूप से स्पा सेंटर में काम करने वाली युवतियों के फोटो ग्राहकों को भेजती थी और पिछले कई महीनों से उन्हें ग्राहकों तक पहुंचाने का काम कर रही थी।

गिरफ्तार महिला एजेंट के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा पीटा एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, रेस्क्यू की गई दोनों पीड़ित युवतियों को सुरक्षित महिला सुधारगृह में भेजने की प्रक्रिया पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अनैतिक मानव वाहतूक प्रतिबंधक शाखा (एएचटीसी/क्राइम ब्रांच) की टीम ने की। मामले में आगे की जांच जारी है।

फायर सेफ्टी नियमों की अनदेखी पर भिवंडी मनपा की बड़ी कार्रवाई, दो औद्योगिक इकाइयों की बिजली काटकर किया सील

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के आयुक्त के निर्देश पर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग ने शहर में फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान के तहत नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। अग्नि सुरक्षा उपाय नहीं करने तथा अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों को महाराष्ट्र अग्नि प्रतिबंधक एवं जीवन सुरक्षा उपाय अधिनियम-2006 (संशोधित 2023) एवं नियम-2025 के तहत नोटिस जारी किए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत 16 जुलाई 2026 को कल्याण रोड स्थित नारायण भोईर कंपाउंड में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग, कुंभारवाड़ा पुलिस थाना तथा टोरंटो पावर के अधिकारियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मेसर्स एक्सेल इलेक्ट्रोकेम टेक्नोलॉजी (यूनिट-2) तथा मेसर्स क्रेस्कोनेंट इंडिया प्रा. लि. का विद्युत आपूर्ति कनेक्शन काटकर दोनों प्रतिष्ठानों को सील कर दिया। मनपा ने शहर के सभी प्रतिष्ठान संचालकों से अपील की है कि वे अग्नि सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, फायर एनओसी, व्यापार लाइसेंस तथा संपत्ति कर संबंधी औपचारिकताएं समय पर पूरी करें। अन्यथा विद्युत आपूर्ति बंद करने और प्रतिष्ठान सील करने जैसी कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

भाजपा गट नेता संतोष शेट्टी के हाथों फीता काटकर हुआ ओम क्लीनिकल लेबोरेटरी का शुभारंभ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के पद्मानगर स्थित भाजी मार्केट के सिटी मार्केट परिसर में रविवार को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित ओम क्लीनिकल लेबोरेटरी का उद्घाटन भिवंडी महानगरपालिका के भाजपा गट नेता संतोष शेट्टी व रेनु केशरवानी के हाथों फीता काटकर शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि संतोष शेट्टी ने लेबोरेटरी के संचालक मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट ओम राकेश केशरवानी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के समय में सटीक एवं समय पर जांच उपलब्ध होना बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह लेबोरेटरी क्षेत्र के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय और आधुनिक पैथोलॉजी सेवाएं उपलब्ध कराएगी, जिससे मरीजों को दूर-दराज के अस्पतालों और जांच केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। लेबोरेटरी संचालक ओम राकेश केशरवानी ने बताया कि ओम क्लीनिकल लेबोरेटरी में आधुनिक उपकरणों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की पैथोलॉजिकल जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए होम विजिट सैंपल कलेक्शन सेवा भी शुरू की गई है, ताकि बुजुर्गों, गंभीर मरीजों तथा घर से बाहर नहीं निकल पाने वाले लोगों को घर बैठे ही जांच की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता कम समय में सटीक जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराना तथा मरीजों को बेहतर सेवा देना है। उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने लेबोरेटरी का अवलोकन कर उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की और इसे क्षेत्र के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रभाग समिति क्रमांक-3 की सभापति के पति मोहन कोंडा, नगरसेवक परेश चौगुले, सुवर्णा म्हात्रे, विक्रम म्हात्रे, डॉ. श्रीपाल जैन, राकेश केशरवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता, मित्रगण एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह का समापन अतिथियों के सम्मान, शुभकामनाओं एवं नागरिकों के प्रति बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ हुआ।

कांदिवली ईस्ट में निःशुल्क श्रवण जांच शिविर का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कांदिवली ईस्ट, मुंबई। लोगों में बढ़ती श्रवण संबंधी समस्याओं को देखते हुए कांदिवली ईस्ट के कांचीपाड़ा, गढ़ देवी रोड, दुबे चाल स्थित साईं क्लीनिक (डॉ. ए.बी. प्रजापति) में शनिवार, 18 जुलाई 2026 को निःशुल्क श्रवण जांच एवं डिजिटल श्रवण यंत्र परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अनुभवी क्लिनिकल ऑडियोलॉजिस्ट एवं स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट डॉ. सोहन एस. चौहान ने लोगों की निःशुल्क हियरिंग स्क्रीनिंग और डिजिटल ऑडियोमेट्री जांच की। इसके साथ ही श्रवण संबंधी समस्याओं को लेकर विशेषज्ञ परामर्श भी प्रदान किया गया। शिविर के दौरान आधुनिक डिजिटल एवं रिचार्जेबल श्रवण यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। लोगों को निःशुल्क हियरिंग एड ट्रायल,रेम रियल ईअर मेजरमेंट, तकनीक के माध्यम से सटीक फिटिंग, आसान ईएमआई सुविधा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष छूट तथा आवश्यकता पड़ने पर होम विजिट की सुविधा के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी रहा, जिन्हें सुनने में कठिनाई होती है, बार-बार ह्क्या कहा?ह्व पूछना पड़ता है, टीवी की आवाज अधिक तेज रखनी पड़ती है अथवा कानों में सीटी या घंटी बजने जैसी समस्या यानी टिनिटस का अनुभव होता है। शिविर में लोगों ने विशेषज्ञों से अपनी श्रवण संबंधी समस्याओं पर सलाह ली और आधुनिक श्रवण यंत्रों की सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

ठाणे जिलाधिकारी ने भिवंडी मनपा आयुक्त, अधिकारियों व राजनीतिक दलों के साथ किया मतदाता सूची पुनरीक्षण समीक्षा बैठक

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में चल रहे विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत गुरुवार को भिवंडी महानगरपालिका सभागार में ठाणे के जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाळ ने अधिकारियों एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में भिवंडी पूर्व, भिवंडी पश्चिम, भिवंडी ग्रामीण और शाहपुर विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई।जिलाधिकारी ने कहा कि बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) घर-घर जाकर मतदाताओं को आवेदन पत्र उपलब्ध कराएं और वहीं भरवाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवेदन पत्र किसी भी राजनीतिक दल के कार्यालय में न रखे जाएं। यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी या आवेदन पत्र गायब करने जैसी शिकायत सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से बूथ स्तर पर अपने प्रतिनिधि नियुक्त करने तथा मतदाताओं में जागरूकता फैलाकर अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में कई दलों के प्रतिनिधियों ने अभियान के दौरान आने वाली समस्याओं और शिकायतों से भी जिलाधिकारी को अवगत कराया। डॉ. पांचाल ने बताया कि दिव्यांग मतदाताओं के घर तक बीएलओ पहुंचकर आवेदन भरवाएंगे। साथ ही बीएलओ के कार्य में सहायता के लिए आशा एवं आंगनवाड़ी सेविकाओं सहित अन्य शासकीय कर्मचारियों को सहायक बीएलओ के रूप में नियुक्त किया जाएगा। ठाणे जिले की सभी मनपा की आशा एवं आंगनवाड़ी सेविकाओं को अतिरिक्त 4,000 रुपये मानदेय देने की भी जानकारी दी गई। बैठक के बाद शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के ठाणे ग्रामीण जिलाध्यक्ष कुंदन पाटिल ने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण स्वागत योग्य है, लेकिन आधार कार्ड को मतदाता सूची से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि आधार लिंकिंग नहीं की गई तो यह प्रक्रिया केवल दिखावा साबित होगी।

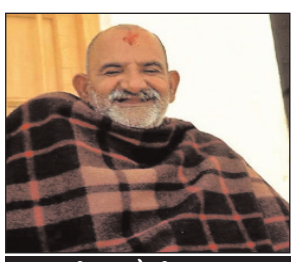
नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में 'लूट' की कहानी निकली फर्जी

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

◆ 68,840 रुपये के गबन को छिपाने के लिए रची साजिश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के भंडारी रेलवे अंडरपास पर तमंचे के बल पर करीब एक लाख रुपये लूटे जाने की मनगढ़ंत कहानी रची थी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मौके का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) समेत अन्य तकनीकी साक्ष्यों की गहन जांच की। पूछताछ के दौरान कर्मचारी विकास यादव के बयान बार-बार बदलते रहे, जिससे पुलिस को संदेह हुआ।

सख्ती से पूछताछ करने पर विकास यादव ने स्वीकार किया कि उसने कंपनी की रकम का गबन किया था और कार्रवाई से बचने के लिए तमंचे के बल पर लूट होने की झूठी कहानी गढ़कर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गबन, आपराधिक विश्वासघात एवं झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

मामले का खुलासा सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने प्रेसवार्ता में किया। उन्होंने कहा कि झूठी घटनाएं गढ़कर पुलिस को गुमराह करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

क्षेत्र पंचायत की बैठक का सदस्यों ने किया सामूहिक बहिष्कार

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र पंचायत की बैठक विकास खण्ड सभागार में पूर्वान्ह 11.00 बजे से क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को आहूत की गई। बैठक में पिछली कार्यवाही की पुष्टि करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) / मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) पर स्वच्छ पेयजल, महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी योजना पंचम वित्त / पन्द्रहवा वित्त,राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन पर विचार, स्वच्छ भारत मिशन विद्युत समस्या, पेंशन योजनाओं, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सहित अन्य एजेंडों पर संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने विचारों को रखा और आंकड़ों को प्रस्तुत किया। बैठक में संबोधित करते हुए क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी ने कहा कि विगत वर्षों में ब्लाक क्षेत्र के सभी 58 गांवों में विकास कार्य हुए जिसमें नाली निर्माण, सीसी रोड, पुलिस, सोलर वाटर पंप, बाउंड्री वाल, छठघाट आदि शामिल है। सभी क्षेत्र पंचायतों को मानदेय प्रतिमाह भेजा जा रहा है यदि किसी

को नहीं मिल रहा तो टेक्निकल दिक्कत हो सकती है।उसे भी सही कराया जाएगा।

इस दौरान खंड विकास अधिकारी विशाल चौरसिया ने कहा कि ग्रामीण लाभार्थियों के लिए आवास योजना, शौचालय योजना, समूह योजना,किसानों के लिए पेंशन योजना सहित कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है जिसका लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। यह योजनाएं डीडीटी से संचालित हो रही है इसलिए कुछ लाभार्थियों को पेंशन सहित अन्य लाभ में दिक्कत हो सकती है इसलिए लाभार्थी अपने बैंक के खाते का केवाईसी जरूर कराए और प्रत्येक छह माह में लेन देन भी करते रहे ताकि धनराशि मिलने में दिक्कत न हो।उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को हर जरूरंद तक पहुंचाएं जा रहे है इसमें क्षेत्र पंचायत भी सहयोग करे।बैठक का संचालन बीओ पीआरडी धर्मेंद्र सिंह ने किया।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त जिला जज राजन चौधरी सहायक सांख्यिकी अधिकारी डॉ राकेश मौर्या,जेई आर एस शिवराज यादव, सहायक विकास अधिकारी आईएसबी अजय कुमार सहायक विकास अधिकारी सहकारिता मनोज कुमार डॉ गौरव सिंह,अनीस पटेल सहित क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक भत्ता भुगतान न होने पर बीडीसी सदस्यों ने जताई नाराजगी

दुद्धी, सोनभद्र। क्षेत्र पंचायत (बीडीसी) सदस्यों ने बैठक भत्ता एवं यात्रा भत्ता का भुगतान न होने पर नाराजगी जताई है। ब्लॉक अध्यक्ष प्रेमचंद गुप्त के नेतृत्व में सदस्यों ने खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बताया कि पांच वर्षीय कार्यकाल के दौरान हुई अधिकांश बैठकों का भत्ता अब तक नहीं मिला है। ज्ञापन में कहा गया है कि 17 जुलाई 2026 को कार्यकाल की अंतिम बैठक आयोजित होनी है, लेकिन बकाया भुगतान न होने से सदस्यों में असंतोष है। सदस्यों ने मांग की है कि सभी बैठकों का बकाया भत्ता व यात्रा व्यय का शीघ्र भुगतान किया जाए, अंतिम बैठक का दो दर्जन से ज्यादा सदस्यों ने सामूहिक बहिष्कार कर विरोध जताया, इस मौके पर गोविंद लोकनाथ महेंद्र प्रसाद, सुरेश कुमार,कटौन्धी राजेंद्र प्रसाद,श्रवण कुमार विंदा देवी,लक्ष्मी देवी सोमनाथ राम प्यारे पार्वती रीना शिवकुमार सतीश सहित अन्य बीडीसी मौजूद रहे।

गुरैनी की बेटी लुईजा सिद्दीकी ने रचा सफलता का इतिहास

डॉ.इम्तियाज अहमद

नीट यूजी 2026 में 559 अंक और 98.45 पर्सेंटाइल हासिल

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेहनत, आत्मविश्वास और लगन का शानदार उदाहरण पेश करते हुए जौनपुर जिले के गुरैनी गांव की प्रतिभाशाली छात्रा लुईजा सिद्दीकी ने नीट यूजी 2026 परीक्षा में 720 में से 559 अंक प्राप्त कर 98.45 पर्सेंटाइल हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे जिले में खुशी और गर्व का माहौल है।

लुईजा, मोहम्मद साकिब सिद्दीकी की पुत्री हैं। उन्होंने अपनी इंटरमीडिएट की पढ़ाई ग्लोबल इंटरनेशनल कॉलेज, भिवंडी से पूरी की। उल्लेखनीय बात यह है कि उन्होंने किसी कोचिंग संस्थान का सहारा नहीं लिया, बल्कि घर पर रहकर स्व-अध्ययन के माध्यम से तैयारी की और दूसरे प्रयास में यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की। लुईजा की सफलता की खबर मिलते ही परिवार, शिक्षकों, रिश्तेदारों और गांव के लोगों ने उन्हें बधाइयों से सराबोर कर दिया। क्षेत्रवासियों ने उनकी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता उन हजारों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं।

परिजनों ने विश्वास जताया कि लुईजा आगे चलकर एक सफल चिकित्सक बनेंगी और अपनी सेवाओं से समाज एवं देश का नाम रोशन करेंगी। उनकी उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि सच्ची लगन, निरंतर मेहनत और मजबूत इरादों के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

विद्युत कार्य के दौरान करंट लगने से संविदाकर्मी की मौत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। चेतगंज थाना क्षेत्र के तेलियाबाग में विद्युत कार्य के दौरान करंट लगने से चौकाघाट विद्युत विभाग के संविदाकर्मी शिव प्रकाश यादव (निवासी मकोली, चंदौली) की मौत हो गई। गंभीर हालत में उन्हें शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय, कबीरचौरा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया। परिजनों ने बिना शटडाउन के कार्य कराए जाने का आरोप लगाते हुए विद्युत विभाग की लापरवाही बताई है।

दूल्हा हत्याकांडः श्रद्धांजलि सभा में उमड़ा जनसैलाब, लोगों ने न्याय की मांग दोहराई

कन्हैया मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के चर्चित दूल्हा हत्याकांड को लेकर 17 जुलाई 2026 को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। दूल्हे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित

कार्यक्रम सौम्या बिंद के आवास पर हुआ, जहां मौजूद लोगों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए और न्याय की मांग को दोहराया।

श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्र के बड़ी संख्या में नागरिक, समाजसेवी एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। लोगों ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घटना की निष्पक्ष और शीघ्र जांच की मांग की। साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई किए जाने की आवाज उठाई। सभा के दौरान माहौल भावुक रहा। लोगों ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए। उत्तर शक्ति न्यूज इस पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है और घटनाक्रम से जुड़ी हर प्रमुख जानकारी अपने पाठकों तक पहुंचाता रहेगा।

जौनपुर के प्राथमिक विद्यालय में बड़ी लापरवाही, मासूम छात्र को स्कूल में बंद कर चले गए शिक्षक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के प्राथमिक विद्यालय परियावा बनपुरवा में शिक्षकों की कथित लापरवाही का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि विद्यालय की छुट्टी के बाद प्रधानाध्यापक सहित दोनों शिक्षक कक्षा-1 के एक मासूम छात्र को स्कूल के अंदर ही छोड़कर मुख्य गेट पर ताला लगाकर घर चले गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, छुट्टी के काफी समय बाद भी जब छात्र घर नहीं पहुंचा तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। काफी तलाश के बाद वे विद्यालय पहुंचे, जहां स्कूल का मुख्य गेट बंद मिला। अंदर देखने पर मासूम छात्र विद्यालय परिसर में फंसा हुआ दिखाई दिया। यह दृश्य देखकर परिजन आक्रोशित हो उठे।

सूचना मिलने पर संबंधित शिक्षक विद्यालय पहुंचे और ताला खोलकर छात्र को बाहर निकाला। घटना के बाद अभिभावकों ने शिक्षकों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए इसे गंभीर लापरवाही बताया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

इस मामले में शिक्षा विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, इस घटना की आधिकारिक पुष्टि और विभागीय जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

अहिल्याबाई होल्कर का शासन सर्वधर्म समभाव और न्याय का प्रतीक: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर सामाजिक न्याय मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का शासन न्याय, सुशासन, धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक समरसता का आदर्श उदाहरण रहा है।

उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में धर्म, जाति और संप्रदाय के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। उनके लिए राज्य की जनता सर्वोपरि थी और प्रशासन में योग्यता, ईमानदारी एवं जनहित को प्राथमिकता दी जाती थी।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा

कि मालवा राज्य में हिंदू, जैन और मुसलमान सहित विभिन्न समुदायों के लोग रहते थे। अहिल्याबाई होल्कर ने सभी वर्गों को समान सम्मान और सुरक्षा प्रदान की। उनके प्रशासन और सेना में भी विभिन्न समुदायों के लोग महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत थे।

उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई धार्मिक आस्था रखने वाली महान शासक थीं। उन्होंने मंदिरों के निर्माण और जीर्णोद्धार के साथ-साथ अपनी मुस्लिम प्रजा के अधिकारों और सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा। यही कारण है कि उनका शासन धार्मिक सद्भाव और लोककल्याण के लिए आज भी याद किया जाता है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समानता, न्याय, भाईचारे और सर्वधर्म समभाव की भावना को और मजबूत करना चाहिए।

सोनभद्र में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा, मौके पर मौत

सुशील कुमार तिवारी

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विंढमगंज थाना क्षेत्र के हीराचक बैगा धाम के समीप एनएच-39 पर गुरुवार रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया।

बताया जा रहा है कि देवड़ी गांव निवासी दोनों युवक बाइक से अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। राहगीरों की सूचना पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची। विंढमगंज थाना प्रभारी निरीक्षक रविकांत मिश्रा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने मृतकों की पहचान अखिलेश कुमार (35) पुत्र शिवप्रसाद और अंकुर (25) पुत्र छद्दू, दोनों निवासी देवड़ी के रूप में की। पुलिस ने पंचनामा भरकर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि अखिलेश अपने ससुराल आया हुआ था और वहीं से वापस लौटते समय हादसे का शिकार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बैगा धाम के आगे महुआ के पेड़ों वाला सड़क किनारा क्षेत्र पहले भी कई हादसों का गवाह बन चुका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से दुर्घटना संभावित क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है। दो युवकों की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

राज्यपाल के आगमन को लेकर प्रशासन अलर्ट, पूर्वांचल विश्वविद्यालय में तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के प्रस्तावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में देर शाम एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने विश्वविद्यालय प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समारोह की व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन, पार्किंग, साफ-सफाई, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति, चिकित्सा सुविधाओं, मंच व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि दीक्षांत समारोह प्रदेश का महत्वपूर्ण

आयोजन है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक व्यवस्था को समयबद्ध, सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन करने के निर्देश दिए, ताकि समारोह गरिमापूर्ण, सफल एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न हो सके।

बैठक के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों से उनके दायित्वों से संबंधित सुझाव भी प्राप्त किए गए और आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मानीकलां में बारिश से जलभराव, व्यापारियों और राहगीरों की बढ़ी परेशानी; सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

डॉ.इम्तियाज अहमद

मानीकलां, जौनपुर। (उत्तरशक्ति)। विकास खंड सोधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलां में आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि बारिश के बाद सड़क पर जमा पानी लंबे समय तक नहीं

निकल पाता, जिससे ग्राहकों का दुकानों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है और व्यापार प्रभावित होता है। जलभराव के कारण गंदगी और दुर्गंध की समस्या भी बनी रहती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार वर्ष 2012 से 2017 के बीच तत्कालीन विधायक नदीम जावेद द्वारा बनवाए गए मार्ग के दोनों किनारों पर नालों का निर्माण कराया गया था, लेकिन लंबे समय से नालों की सफाई नहीं होने के कारण जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। बारिश होते ही जाम नालों का पानी सड़क पर फैल जाता है।

नागरिकों का आरोप है कि सफाई व्यवस्था की लापरवाही के कारण सरकार के स्वच्छता अभियान की मंशा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जहां एक ओर जिलाधिकारी स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर सफाई व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

व्यापारियों और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नालों की तत्काल सफाई कराई जाए और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

बारिश के बाद जलभराव की समस्या ने व्यापारियों और आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नसीराबाद चौक स्थित जामा मस्जिद कटरा में जाने वाले मार्ग पर पानी भर जाने से राहगीरों और दुकानदारों को

मेडिकल कालेज में शराब के नशे में धुत्त गार्ड का हंगामा

शिकायत पर मेडिकल कालेज के प्राचार्य ने की कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहीद उमानाथ सिंह स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय में शराब के नशे में धुत्त गार्ड द्वारा अभद्रता व दुर्व्यवहार का मामला प्रकाश में आया ।

मरीजों के साथ बदत्तमीजी करने से रोकने पर, गार्ड वहां मौजूद पत्रकार विद्याधर विद्यार्थी से भिड़ गया और अनाप-शनाप बोलने लगा, पत्रकार द्वारा गार्ड की हरकतों की लिखित शिकायत मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य आर. बी कमल से की गई तो उन्होंने गार्ड को बुलवाकर शराब के नशे में होने की जांच-पड़ताल कराकर शिकायत पुष्टी की, जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई तो गार्ड के खिलाफ कार्रवाई की बात प्राचार्य द्वारा कही गई।

मेडिकल कालेज प्राचार्य ने बताया कि, गार्ड के रुप में नौकरी कर रहा मनोज कुमार सिंह पुत्र त्रिभुवन नाथ सिंह खानापट्टी, सिकरारा जौनपुर का निवासी है। भारत रक्षा मंत्रालय से संबद्ध पूर्व सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से मेडिकल कॉलेज में नौकरी कर रहा है । शिकायत को गम्भीरतापूर्वक लेते हुए जांच की गई जांच में गार्ड मनोज कुमार सिंह के शराब के नशे में होनी पुष्टि हुई है।गार्ड को हटाने के लिए निगम को पत्र लिख दिया गया है । खास बात यह है कि, जहां हजारों की संख्या में रोज मरीज उपचार के लिए आते हों, वहां ऐसी हरकतों की जानकारी मेडिकल कालेज प्रशासन को न होना पूरी व्यस्था पर सवालिया निशान खड़ा करता है।

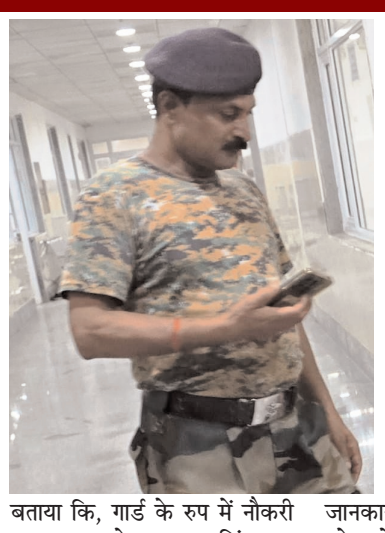

इमामपुर में नाला-नाली की सफाई न होने से ग्रामीणों में आक्रोश

जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, कई गांवों के जलनिकासी मार्ग पर अवरोध

कलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन विकासखंड के इमामपुर ग्रामसभा में वर्षों से नाला और नाली की सफाई तथा निर्माण न होने से ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। समस्या से परेशान ग्रामीणों ने युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. से मुलाकात कर प्रार्थना पत्र सौंपते हुए तत्काल नाला-नाली की सफाई, मरम्मत और निर्माण कार्य कराए जाने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि इमामपुर बाजार स्थित शांति शिक्षण संस्थान से मेन रोड होते हुए भिखारीपुर त्रिमुहानी पुलिया और इमामपुर बॉर्डर तक जाने वाला सरकारी नाला वर्षों से उपेक्षित है। वहीं इमामपुर गांव की ओर बनी पक्की नाली भी मिट्टी, कूड़े और गाद से पूरी तरह जाम हो चुकी है। इसके चलते बरसात का पानी और गांव का गंदा पानी निकासी न होने के कारण लोगों के घरों तक पहुंचने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार आराजी संख्या 249/79डी (पुराना नंबर-125) का सरकारी नाला कई ग्राम पंचायतों के बरसाती पानी का प्रमुख निकास मार्ग है। इसी रास्ते से इमामपुर, शेखपुर, अरशदपुर, ताजपुर, संजोरपुर, जजीरगंज समेत कई गांवों का पानी गोमती नदी में जाता है, लेकिन नाले में अवरोध और सफाई न होने से जलभराव की स्थिति बन रही है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि जंग बहादुर सोनी के मकान से प्रदीप गौतम चौकीदार के घर तक नाली निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत होने के बावजूद अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत और प्रार्थना पत्र देने के बावजूद स्थानीय प्रशासन ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा ने कहा कि यदि समय रहते नाला और नाली की सफाई तथा निर्माण नहीं कराया गया तो बरसात में जलभराव, संक्रामक बीमारियों और जन-धन की हानि का खतरा बढ़ सकता है।

ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को तत्काल नाला-नाली की सफाई, मरम्मत और आवश्यक निर्माण कार्य कराने के निर्देश दिए हैं। अब ग्रामीणों को प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार है।

दुद्धी सीएचसी को मिली महिला चिकित्सक की सौगात, डॉ.ऐमन अंसारी की हुई तैनाती

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) दुद्धी में लंबे समय से रिक्त चल रहे महिला चिकित्सक के पद पर डॉ. ऐमन अंसारी की दो वर्ष के लिए संविदा पर नियुक्ति की गई है। महिला चिकित्सक की तैनाती की खबर मिलते ही क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। डॉ. स्मिता के पीजी की पढ़ाई के लिए जाने के बाद पिछले छह माह से यह पद रिक्त चल रहा था।

उत्तर प्रदेश चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग द्वारा 30 जून 2026 को लखनऊ में एमबीबीएस चिकित्सकों की भर्ती हेतु वॉक-इन इंटरव्यू(साक्षात्कार)आयोजित किया गया था। 7 जुलाई को घोषित परिणाम में डॉ. ऐमन अंसारी का चयन हुआ और उन्हें सोनभद्र जनपद आवंटित किया गया। महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार चयनित चिकित्सकों से नियमित डॉक्टरों के समान ओपीडी, आईपीडी, इमरजेंसी सहित सभी चिकित्सकीय कार्य लिए जाएंगे।

डॉ. ऐमन ने 8 जुलाई को मुख्य चिकित्साधिकारी सोनभद्र के समक्ष अपना

योगदान प्रस्तुत किया था। शुक्रवार 17 जुलाई को सीएमओ द्वारा उनकी तैनाती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी में करते हुए ज्वाइनिंग लेटर प्रदान किया गया। आदेश के अनुपालन में उन्होंने उसी दिन सीएचसी दुद्धी पहुंचकर केंद्र अधीक्षक डॉ. शाह आलम अंसारी के समक्ष कार्यभार ग्रहण कर लिया।

परिवार की दूसरी बेटी ने भी बढ़ाया क्षेत्र का मान

डॉ. ऐमन अंसारी की छोटी बहन डॉ. एरम अंसारी (एमबीबीएस) ने भी हाल ही में आयोजित ऑल इंडिया विदेशी मेडिकल स्नातक परीक्षा (एफएमजीई) उत्तीर्ण कर दुद्धी क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 8 जुलाई को घोषित परिणाम में उन्होंने सफलता हासिल की। कम सफलता प्रतिशत वाली इस चुनौतीपूर्ण परीक्षा को उत्तीर्ण कर उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

गौरतलब है कि जुलाई माह के प्रथम शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में तहसील मुख्यालय पहुंचे जिलाधिकारी से भाजपा मंडल अध्यक्ष दीपक साह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सीएचसी दुद्धी में महिला चिकित्सक की नियुक्ति की मांग की थी। शासन द्वारा संवेदनशील क्षेत्र दुद्धी में महिला चिकित्सक की तैनाती किए जाने पर क्षेत्रीय लोगों ने जिलाधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है।

डॉ. ऐमन अंसारी ने इससे पूर्व 11 जून 2026 को एनएचएम गाजीपुर द्वारा आयोजित चिकित्सक भर्ती प्रक्रिया में भी प्रतिभाग किया था। 21 जून को घोषित परिणाम में उनका चयन चिकित्साधिकारी पद के लिए हुआ था तथा 26 जून को उन्होंने सीएमओ कार्यालय गाजीपुर में दस्तावेज सत्यापन भी कराया था। इसी बीच उत्तर प्रदेश चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग की भर्ती प्रक्रिया में चयन होने पर उन्हें अपना गृह जनपद सोनभद्र आवंटित हो गया।

टिटवाला के पन्नालाल मिश्रा (82वर्ष) का निधन

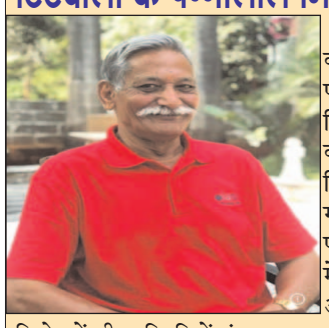

टिटवाला। टिटवाला में पिछले कई वर्षों से निवास कर रहे पंडितपुर, हंडिया, प्रयागराज निवासी पन्नालाल मिश्रा 82 वर्ष का शनिवार को उनके टिटवाला स्थित निजी आवास पर निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजनों, रिश्तेदारों एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार परिजनों एवं रिश्तेदारों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। अंतिम क्रिया के दौरान उनके भतीजे धर्मजीत मिश्रा, दामाद डॉ. रमेश तिवारी, डॉ संजय तिवारी,नाती वेदांत तिवारी, राज तिवारी बेटी डॉ. कुसुम तिवारी, डॉ. पुष्पा तिवारी सहित नाती-पोतों ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस अवसर पर गांव एवं क्षेत्र के सुरेश मिश्रा, कृष्णकांत मिश्रा, विमलेश मिश्रा, विनोद मिश्रा, पंधारी मिश्रा, अनिल मिश्रा, सभाजीत मिश्रा, राहुल मिश्रा, आदेश मिश्र सहित बड़ी संख्या में लोगों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

पहले ही प्रयास में नीट परीक्षा पास कर अश्विनी सिंह ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत ब्लॉक क्षेत्र के अकबरपुर गांव निवासी अविनाश सिंह उर्फ बब्बू के पुत्र अश्विनी सिंह ने पहले ही प्रयास में नीट-यूजी 2026 परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अश्विनी ने 720 में से 648 अंक प्राप्त करते हुए ऑल इंडिया रैंक 1553 और सामान्य वर्ग में 856वीं रैंक हासिल की है।अश्विनी की इस उल्लेखनीय सफलता पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। शनिवार को केराकत में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि पप्पू सरोज की दुकान पर आयोजित एक बैठक में वरिष्ठ पत्रकार दीपनारायण सिंह, पूर्व प्रधान ओमप्रकाश, राममनोहर श्रीवास्तव 'मुंशी', संतोष सिंह, कल्लू सिंह, सुनील निषाद, विनोद ठेकेदार सहित अन्य लोगों ने अश्विनी को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि अश्विनी की सफलता क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। कहा कि कठिन परिश्रम और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

ट्रांसफार्मर जलने से कई दिनों से अंधेरे मे रहने को मजबूर है मोहल्ले वासी

बिजली विभाग के लोगों को सूचना देने पर कार्यवाही का मिला आश्वासन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आदर्श नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला शेखजादा प्रथम वार्ड मे बीते कई दिनों से मोहल्ले मे लगा ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण लोगों के घरों की बिजली गुल हो गयी है !

मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि केराकत नगर के मोहल्ला शेखजादा प्रथम वार्ड मे आज कई दिनों से लाईट न होने से लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

लाईट न होने से लोगों को पानी की समस्या हो गयी है लोग एक एक बूंद पानी के लिये तरस रहे हैं।

इस सम्बन्ध मे मोहल्ले के सत्यजीत गुप्ता, उमेश, रामबली, मनोज, गोपाल सोनकर, मन्जू देवी, सुमन, ऊषा देवी, संध्या देवी, पुष्पा, सुनीता, सुभावती,आदि महिलाओ एवं पुरुषों नें तत्काल बिगड़े हुए ट्रांसफार्मर को बदले जाने एवं बिजली सही करने के लिए मनियरा मोड़ पर स्थित विद्युत कार्यालय जाकर समस्या के समाधान के लिए मांग किया गया है।

बिजली न होने के कारण महिलाओं ने बताया कि मेरे घर में छोटे-छोटे बच्चे हैं और बरसात का वक्त है अंधेरा होने के कारण डर बना रहता है साथ ही पानी की समस्या एवं बच्चों की पढ़ाई की दिक्कत हो रही है।

फर्जी दस्तावेजों से जमीन हड़पने का आरोप, समाधान दिवस में एफआईआर की मांग

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील शाहगंज के सम्पूर्ण समाधान दिवस में ग्राम उसरा भादी निवासी बंशराज पुत्र रामबली ने प्रार्थना पत्र देकर अपनी कृषि भूमि को फर्जी दस्तावेजों के जरिए हड़पने की साजिश का आरोप लगाया है। शिकायत में उन्होंने पूरे मामले की जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने तथा कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, वादी ने वर्ष 2007 में मौजा अधियापुर की 0.607 हेक्टेयर भूमि का विधिवत बैनामा कराया था। आरोप है कि बाद में आजमगढ़ निवासी शुभाष चंद्र गौतम ने कथित रूप से एक महिला के नाम से फर्जी आधार कार्ड, कूटरचित खतौनी और अन्य दस्तावेज तैयार कर भूमि का फर्जी बैनामा करा दिया। शिकायतकर्ता का कहना है कि जिस महिला के नाम पर दस्तावेज तैयार किए गए, उसका नाम मूल राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं था। वादी ने आरोप लगाया है कि 28 अप्रैल 2025 को इसी कथित फजीर्वाड़े के आधार पर जमीन से संबंधित एग्रीमेंट भी कराया गया, जिसमें राजकुमार यादव, राहुल अग्रहरी, जलालुद्दीन अख्तरी सहित अन्य लोगों को पक्षकार बनाया गया। शिकायत में कहा गया है कि यह पूरा कार्य सुनियोजित साजिश के तहत किया गया। प्रार्थना पत्र में शुभाष चंद्र गौतम को भूमाफिया एवं फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीनों की हेराफेरी करने वाला व्यक्ति बताते हुए आरोप लगाया गया है कि उसने सहयोगियों के साथ मिलकर कूटरचित आधार कार्ड, फर्जी कागजात और महिला को खड़ा कर बैनामा व एग्रीमेंट कराया

। शिकायतकर्ता ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के प्रभारी अधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, फर्जी दस्तावेज तैयार करने, कूटरचना, धोखाधड़ी और जमीन हड़पने के प्रयास के आरोप में नामजद व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। इसी तरह खुटहन थाना के ग्राम कढाना निवासी समारू ने लेखपाल राहुल बिन्द पर जबरन जेसीबी से कब्जा हटाने आरोप लगाया। आयोजित तहसील दिवस पर कुल 89 प्रार्थना पड़े जिसमें से 7 प्रार्थना पत्रों का मौके पर मौके पर निस्तारण कर दिया गया। बाकी सम्बन्धित विभाग को सौंप कर जल्द निस्तारण का निर्देश दिया गया। उक्त मौके परनवागत एसडीएम अंकुर वर्मा, डिप्टी एसपी गिरेन्द्र सिंह, तहसीलदार सौरभ कुमार सहित समस्त विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

गाजियाबाद में युवक की हत्या पर पीड़ित परिवार से मिले समाज के लोग

लोनी, गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद से सटे लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र स्थित बेहटा हाजीपुर की रतिराम कॉलोनी निवासी विपिन प्रजापति (23 वर्ष) की 12 जुलाई 2026 को गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना को लेकर समाज में आक्रोश व्याप्त है। घटना के बाद समाज के प्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा हर संभव सहयोग और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विपिन प्रजापति की हत्या अत्यंत दुखद एवं निंदनीय है।

इस कठिन समय में पूरा समाज पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई तथा परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक समाज का सहयोग और संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर सभी दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। पीड़ित परिवार से मिलने वालों में रजनीश कुमार प्रजापति प्रदेश सचिव ओबीसी कांग्रेस उत्तर प्रदेश युवा राष्ट्रीय सचिव राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ डायरेक्टर ऑक्सीजन सर्वजन फाउंडेशन, चंद्र प्रकाश प्रजापति, ब्लॉक अध्यक्ष, वार्ड संख्या 25, बुद्ध विहार फेज-1, दिल्ली तथा शशि भूषण पंडित, ईवीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सहित समाज के अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

सभी ने परिवार को ढांढस बंधाते हुए हर परिस्थिति में साथ रहने का भरोसा दिया। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह केवल एक परिवार की लड़ाई नहीं, बल्कि न्याय और कानून व्यवस्था पर विश्वास बनाए रखने का प्रश्न है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ शीघ्र एवं सख्त कार्रवाई करने की मांग की, जिससे पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इंदौर नगर निगम वार्ड 60 की पार्षद सुनेहरा अंसारी की जीत रद्द –

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर नगर निगम के वार्ड क्रमांक 60 से वर्ष 2022 में निर्वाचित पार्षद सुनेहरा अंसारी की जीत को जिला कोर्ट ने निरस्त कर दिया है। द्वितीय जिला न्यायाधीश विनोद कुमार शर्मा ने 17 जुलाई को चुनाव याचिका में सुनाए गए फैसले में सुनेहरा अंसारी के नामांकन पत्र तथा निर्वाचन को शून्य घोषित कर दिया।कोर्ट ने अपने निर्णय में माना कि प्रत्याशी द्वारा नामांकन के साथ प्रस्तुत शपथ-पत्र में संपत्ति, देनदारियों और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों के संबंध में अपूर्ण और गलत जानकारी दी गई थी। इससे मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम निर्वाचन नियम, 1994 के प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। कोर्ट ने यह भी माना कि प्रत्याशी चुनाव लड़ने की पात्रता से संबंधित आवश्यक तथ्यों का सही खुलासा नहीं कर सकी। मामला वर्ष 2022 के नगर निगम चुनाव से जुड़ा है। 6 जुलाई 2022 को हुए मतदान के बाद 17 जुलाई 2022 को घोषित परिणाम में सुनेहरा अंसारी को वार्ड-60 से विजयी घोषित किया गया था। इसके खिलाफ इफ्तेखार अंसारी ने अपने एडवोकेट विजय शर्मा के माध्यम से चुनाव याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि नामांकन पत्र के साथ दाखिल शपथ-पत्र में संपत्तियों, कर बकाया और अन्य जानकारियों को छिपाया गया।सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विभिन्न दस्तावेजों और साक्ष्यों का परीक्षण किया। कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि प्रत्याशी द्वारा प्रस्तुत जानकारी में गंभीर त्रुटियां और अपूर्णताएं थीं, जिसके कारण उनका नामांकन वैध नहीं माना जा सकता।

हालांकि, कोर्ट ने दूसरे स्थान पर रहीं उम्मीदवार यासमीन अंसारी को विजयी घोषित करने की मांग स्वीकार नहीं की। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि केवल विजेता का चुनाव निरस्त होने से स्वतः उपविजेता को निर्वाचित घोषित नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने आदेश दिया कि वार्ड-60 से सुनेहरा अंसारी का निर्वाचन और नामांकन दोनों शून्य माने जाएंगे। साथ ही आदेश की प्रति जिला निर्वाचन अधिकारी और नगर निगम कमिश्नर को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

तहसील बार के पूर्व प्रत्याशी शैलेंद्र सिंह मोनी के निधन पर मौन धरना!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाबतहसील बार एसोसिएशन के पूर्व प्रत्याशी शैलेंद्र सिंह मोनी के असामयिक निधन पर शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने मौन धरना देकर शोक व्यक्त किया।तहसील परिसर स्थित उपजिलाधिकारी के पोर्टिको में प्रस्तावक मनीष कुमार सिंह के प्रस्ताव पर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजेश कुमार सिंह ने की और संचालन महामंत्री वीरेंद्र कुमार यादव ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर शैलेंद्र सिंह मोनी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया गया। साथ ही अधिवक्ताओं ने आज संपूर्ण दिवस न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया। विगत पांच दिनों से चल रहे धरने को भी आज मौन धरने के रूप में आयोजित किया गया।धरने की अध्यक्षता कनिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने की।धरने में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार सिंह, सर्वजीत राजभर, दिनेश शर्मा, राम जी सिंह, पूर्व महामंत्री प्रदीप कुमार सिंह, एडवोकेट विश्वजीत श्रीवास्तव, काशीनाथ पटेल, बाबर अली, पूर्व महामंत्री ओम प्रकाश पाण्डेय, दीपक त्रिपाठी, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, दीपक सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

अंकुर वर्मा ने संभाली शाहगंज एसडीएम की जिम्मेदारी, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर रहेगा फोकस

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन द्वारा किए गए प्रशासनिक फेरबदल के तहत सहारनपुर से स्थानांतरित होकर आए।अंकुर वर्मा ने शनिवार को शाहगंज के नवागत उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा तहसील कार्यालय की व्यवस्थाओं और लंबित मामलों की जानकारी ली। नवागत एसडीएम अंकुर वर्मा ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप आमजन को समयबद्ध एवं पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध कराना उनकी पहली जिम्मेदारी होगी। उन्होंने राजस्व एवं विकास से जुड़े कार्यों की नियमित समीक्षा करने के साथ ही जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि रशासन की मंशा के अनुरूप आमजन को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। जनता की समस्याओं का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण कराया जाएगा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ राजस्व कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी टीम भावना के साथ कार्य करें, यही मेरा प्रयास रहेगा।

प्राथमिक विद्यालय मुकुन्दीपुर को पुस्तकालय के लिए मिलीं कक्षावार पुस्तकें

जौनपुर। जनपद जौनपुर स्थित विकासखंड सिकरारा के खपरहां न्याय पंचायत अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय मुकुन्दीपुर को शनिवार,18 जुलाई 2026 को ह्यप्रथम बुक्सह्ल की ओर से विद्यालय पुस्तकालय के लिए कक्षावार पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं। ये पुस्तकें दिल्ली के अवधेश कुमार अग्रवाल, संस्थापक सोशल वेलफेयर एंड अपलिफ्टमेंट समूह के सहयोग से विद्यालय को प्राप्त हुईं।

विद्यालय में पुस्तकें पहुंचने पर बच्चों में हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रभारी प्रधानाध्यापक आशीष कुमार मौर्य तथा विद्यालय स्टाफ के सदस्यों दीपक कुमार, अमित सिंह, रंजिता मिश्रा और राजेश कुमार मिश्रा की उपस्थिति में पुस्तकों के पैकेट खोले गए। रंग-बिरंगी और ज्ञानवर्धक पुस्तकों को देखकर बच्चे खुशी से झूम उठे। बच्चों ने पुस्तकों को उत्सुकता से देखा और उन्हें पढ़ने के प्रति विशेष रुचि दिखाई। इस अवसर पर पत्रकार आदेश कुमार मिश्र भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय के सभी बच्चों को अपनी ओर से पेन और कॉपियां वितरित कीं। शिक्षकों ने बताया कि इन पुस्तकों से बच्चों में नियमित पढ़ने की आदत विकसित होगी तथा उनकी भाषा, कल्पनाशक्ति और सामान्य ज्ञान में वृद्धि होगी। विद्यालय परिवार ने पुस्तकें उपलब्ध कराने वाले अवधेश कुमार अग्रवाल, प्रथम बुक्स और सहयोगी समूह के प्रति आभार व्यक्त किया।

रातों-रात बंजर जमीन पर बाउंड्री! किसके इशारे पर हुआ कब्जा जैतपुरा में उठे बड़े सवाल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के जैतपुरा थाना क्षेत्र के सरैन्या मुस्लिमपुरा वार्ड नंबर 87 में एक बंजर जमीन पर रातों-रात बाउंड्री कर कब्जा किए जाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पार्षद प्रतिनिधि राज खान ने प्रभाव का इस्तेमाल कर जमीन पर कब्जा कराया। हालांकि दूसरी ओर दावा किया जा रहा है कि जमीन खरीदी गई है। अब सवाल यह उठ रहा है कि यदि जमीन खरीदी गई है तो उसका वास्तविक मालिक कौन है और वर्षों से बंजर पड़ी भूमि का स्वामित्व किसके नाम दर्ज है?स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस जमीन पर वर्षों से किसी का दावा नहीं था, उस पर अचानक रातों-रात बाउंड्री खड़ी कर दी गई। विरोध करने पर कथित तौर पर पैसा और पावर का रौब दिखाते हुए कहा गया कि जमीन लाखों रुपये में खरीदी गई है। इलाके के बुजुर्गों और बिरादरी के चौधरियों ने पंचायत कर विवाद को शांत करने की कोशिश की, जिसके बाद दोनों ओर दो-दो फीट का रास्ता देने पर सहमति बनी। लेकिन रास्ता मिल जाने से एक बड़ा सवाल खत्म नहीं होता–आखिर बंजर जमीन पर कब्जे की अनुमति किसने दी ?स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि क्या इस पूरे मामले में नगर निगम और स्थानीय पुलिस की भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए? यदि जमीन सरकारी या सार्वजनिक श्रेणी की है, तो क्या बिना राजस्व अभिलेखों की जांच के उस पर निर्माण कराया जा सकता है? और यदि निजी है, तो उसके स्वामित्व के दस्तावेज सार्वजनिक क्यों नहीं किए जा रहे ?कहते हैं कि कानून सबके लिए बराबर होता है। लेकिन जब बंजर जमीन भी रातों-रात चारदीवारी में बदल जाए, तो सवाल उठना लाज़िमी है–क्या बुलडोजर सिर्फ. गरीबों की झोपड़ियों तक ही सीमित है, या फिर प्रभावशाली लोगों की चारदीवारी तक भी कानून की नजर पहुंचेगी? अब सबकी निगाह प्रशासन पर है कि वह इस मामले की निष्पक्ष जांच कर सच सामने लाता है या फिर यह मामला भी चचाओं तक ही सीमित रह जाएगा।

नीट में सफलता के बाद गांव पहुंचे अश्वनी का बाजे-गाजे के साथ भव्य स्वागत

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में 720 में से 648 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल करने वाले ग्राम अकबरपुर निवासी मेधावी छात्र अश्वनी कुमार सिंह का गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। फूल-मालाओं से लादकर तथा ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच उनका अभिनंदन किया गया। गांव में प्रवेश करते ही अश्वनी का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा, महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे। स्वागत जुलूस के दौरान पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया।

लोगों ने मिठाई खिलाकर उनकी सफलता पर खुशी जताई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों ने कहा कि अश्वनी ने नीट में 648 अंक प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता और परिवार का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे अकबरपुर गांव और निकुंभ वंश को भी गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इस अवसर पर अश्वनी ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य के प्रति समर्पण, नियमित अध्ययन और कठिन परिश्रम से किसी भी परीक्षा में सफलता प्राप्त की जा सकती है। ग्रामीणों ने विश्वास व्यक्त किया कि अश्वनी भविष्य में एक सफल चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करेंगे और क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। इस मौके पर सभाजीत सिंह, अविनाश सिंह, संतोष सिंह, अखिलेश सिंह, त्रिलोकी नाथ पाठक, हेमंत सिंह, रामइकबाल पाठक, पल्कधारी सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

नीट में सफतला हासिल कर निधि ने बढ़ाया परिवार का मान, परिवार में खुशी का माहौल,बधाई देने वाली का लगा तांता

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के पूरनपुर गांव में उस समय खुशी का माहौल छा गया जब निधि सक्सेना के राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में अपने कड़ी मेहनत का परचम लहराते हुए एससी कैटगरी में 3678 रैक हासिल करने की सूचना मिली।वे सेवानिवृत्त फौजी जयप्रकाश की पुत्री है इस उपलब्धि के बाद परिवार में जश्न का माहौल है होनहार बेटी के सफतला पर बधाई देने वालों का तांता उनके घर लगा रहा, वही निधि सक्सेना ने बताया कि उनका लक्ष्य एमबीबीएस में प्रवेश लेकर डॉक्टर बन देश सेवा करना है।उन्होंने कहा कि नियमित कक्षाओं के साथ विषय आधारित पढ़ाई और लगातार रिवीजन पर विशेष ध्यान दिया। साथ ही परीक्षा की तैयारी के दौरान फेसबुक समेत अन्य सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल बंद कर दिया था। इस अवसर पर राम प्रताप,विजयलक्ष्मी, ग्राम प्रधान रामसमुझ यादव, पंधारी,रज्जू राम,केदार राम व चंद्रेश राम समेत भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। विदित हो कि निधि सक्सेना सर्की में स्थित एसपी इंटरनेशनल स्कूल से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास कर दो सालों से वाराणसी के दुगाकुंड में स्थित ऐलन कोचिंग सेंटर में नीट-यूजी परीक्षा की तैयारी कर रही थी पहले प्रयास में असफल होने के बावजूद भी उनका हौसला नहीं टूटा,माता दिव्या व पिता जयप्रकाश ने उनका हौसला बढ़ाते हुए अपने लक्ष्य पर ध्यान देने की बात को कही।जिसके फलस्वरूप निधि ने दूसरे प्रयास में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए परचम लहराया।होनहार बेटी का हौसला अफजाई करने पहुंचे ग्रामीणों का कहना है कि उनकी इस सफलता ने हम सभी को गौरवान्वित किया है।

वसई-विरार महानगरपालिका की महासभा में पानी के बढ़े टैक्स पर हंगामा

वसई-विरार। वसई-विरार महानगरपालिका की शुक्रवार को आयोजित महासभा में पानी के शुल्क (वॉटर टैरिफ) और अन्य करों में प्रस्तावित बढ़ोतरी को लेकर सत्ता पक्ष बहुजन विकास आघाड़ी और विपक्ष भाजपा के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विवाद बढ़ने पर भाजपा के सभी पार्षदों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।

महासभा में जलापूर्ति विभाग द्वारा पानी के शुल्क में बढ़ोतरी से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। सत्ता पक्ष की ओर से सभागृह नेता प्रफुल्ल सैन ने बढ़ोतरी का समर्थन करते हुए इसे आवश्यक बताया। वहीं, विपक्ष के नेता मनोज पाटिल ने इस निर्णय का कड़ा विरोध किया। मनोज पाटिल ने आरोप लगाया कि पानी के शुल्क में लगभग 100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई है तथा बिना अतिरिक्त सुविधाएं दिए घरपट्टी और सीवरेज कर में भी 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि स्थायी समिति और पिछली महासभा की कार्यवाही में शुल्क नहीं बढ़ाने की बात कही गई थी, इसके बावजूद प्रशासन ने नियमों का हवाला देकर यह निर्णय लागू कर दिया। विपक्ष ने जलापूर्ति विभाग के कामकाज पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि करोड़ों रुपये के बकाया बिलों की वसूली नहीं हो रही है, हजारों जल कनेक्शनों के बिल जारी नहीं किए जा रहे हैं तथा कई पुनर्विकास परियोजनाओं में बिना उचित बिलिंग के पानी की आपूर्ति जारी है। विपक्ष ने प्रशासन से ऐसे सभी कनेक्शनों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। भाजपा पार्षदों ने इस मुद्दे पर तत्काल मतदान कराने की मांग की। उनका आरोप था कि मामला राज्य सरकार के पास भेजने का आश्वासन देकर सत्ता पक्ष निर्णय से बचने का प्रयास कर रहा है। मतदान की मांग पर सहमति नहीं बनने और सदन में लगातार हंगामा होने के बाद भाजपा के सभी पार्षद नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर निकल गए। विपक्ष का कहना है कि यदि कर वृद्धि प्रशासनिक स्तर पर लागू की गई है और महासभा से स्वीकृत नहीं है, तो महासभा को इसे संशोधित या निरस्त करने का अधिकार प्राप्त है। भाजपा ने इस पूरे मामले को जनहित से जुड़ा बताते हुए पानी के बढ़े हुए शुल्क और कर वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की।

गणेश नाइक और डॉ. हेमंत सावरा ने पालघर में नए आधार सेवा केंद्र का किया उद्घाटन

पालघर। पालघर जिले के नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं अब पहले से अधिक आसान और सुलभ होंगी। विष्णुनगर स्थित कंचन इंपीरियल परिसर में नए आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन महाराष्ट्र के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाइक तथा पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर कहा गया कि सरकार का उद्देश्य नागरिकों तक सरकारी सेवाओं को सरल, पारदर्शी और उनके घर के निकट उपलब्ध कराना है। नए आधार सेवा केंद्र के शुरू होने से आधार पंजीकरण, नाम, पता एवं अन्य विवरणों में संशोधन, बायोमेट्रिक अपडेट सहित आधार से जुड़ी विभिन्न सेवाएं अब पालघर के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी। इससे नागरिकों का समय, श्रम और खर्च बचेगा तथा सरकारी सेवाओं तक उनकी पहुंच और आसान होगी। कार्यक्रम में विधायक हरिश्चंद्र भोये, विधायक राजेंद्र गावित, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, जिला कलेक्टर डॉ. इंदुरानी जाखड़, पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नए आधार सेवा केंद्र को श्लोगों के दरवाजे पर सेवाह्न की अवधारणा को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है, जिससे पालघर जिले के हजारों नागरिकों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।